भाद्रपद शुक्ल पक्ष 5-6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक-71 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
16 सितंबर 2026 बुधवार

आज का मौसम
32.0 अधिकतम
22.2 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

हमले के अलर्ट से सऊदी अरब में हड़कंप मुस्लिम समूहों ने की हूती विद्रोहियों की निंदा

मक्का पर ड्रोन हमला!

सऊदी का दावा... अटैक नाकाम किया

■ **सऊदी अरब ने चेताया... इस्लाम के पवित्र स्थलों और जायरीनों की सुरक्षा हमारे लिए 'रेड लाइन'**

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब और यमन अब मिडिल ईस्ट की जंग के केंद्र बन गए हैं। हमलों में इस्लाम के सबसे पवित्र शहर मक्का की पवित्रता का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। सऊदी का दावा है कि मक्का पर हमला करने की कोशिश की गई है जबकि हूती इससे इनकार कर रहे हैं। यमन के हूती विद्रोहियों से लड़ रहे सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने आज कहा कि उसने विद्रोहियों के एक ड्रोन को मार गिराया है, जो मक्का अल-मुकर्रमा के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि इस्लाम के सबसे पवित्र स्थलों और वहां आने वाले जायरीनों की सुरक्षा उसके लिए 'रेड लाइन' है। उधर, हूती पक्ष ने मक्का को निशाना बनाने के आरोप को खारिज किया है, लेकिन सीमा पार हमलों और सऊदी हवाई कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंचा दिया है।

सऊदी अरब के सिविल डिफेंस ने संभावित हवाई हमले की चेतावनी देते हुए इमरजेंसी अलर्ट जारी किया। अलर्ट में निवासियों को सलाह दी गई कि वे सुरक्षित जगहों पर घर के अंदर चले जाएं और खतरा टलने तक खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें। जेद्दा और ताइफ इलाकों के लिए भी ऐसी ही चेतावनी जारी की गई। यह ऐसे समय में हुआ है जब सऊदी अरब को ईरान समर्थित हूती समूह से सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समूह ने यमन के रणनीतिक रूप से अहम लाल सागर तट पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए सऊदी अरब पर हमले तेज कर दिए हैं। दूसरी ओर हूती नेता हाजेम अल-असद ने मक्का को निशाना बनाए जाने के आरोप को 'पुराना और बेबुनियाद' बताया।

जबकि सऊदी गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने इस घटना को 'दुश्मनी भरा और आतंकवादी कृत्य' बताया। उन्होंने ड्रोन लॉन्च करने वाले संगठन को 'आतंकवादी हूती मिलिशिया' बताया। अल-मलिकी ने कहा कि गठबंधन की संयुक्त सेना की कमान हूती आंदोलन के खिलाफ 'जरूरी और निवारक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी।'

सऊदी गठबंधन ने कहा कि यह मक्का को निशाना बनाने की दूसरी कोशिश है। उसने 27 जुलाई 2017 की उस घटना का भी जिक्र किया, जिसमें मक्का की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की बात कही गई थी। अल-मलिकी ने ताजा घटना पर कहा,'उस मुकद्दस सरजमीन पर हमले की कोशिश हुई है, जहां से रब का पैगाम आया, जहां से हिदायत का संदेश दुनिया तक पहुंचा और जो दुनिया भर के करोड़ों मुसलमानों के दिलों का मरकज है।' बता दें कि पिछले कुछ दिनों में हूतियों ने यमन में काफी अहम ठिकानों पर कब्जा किया है जिसके बाद सऊदी अरब की चिंता बढ़ गई है। यहां तक कि सऊदी अरब में हूतियों के हमले से पाकिस्तान भी बौखला गया था और ईरान को बड़ी चेतावनी दे दी थी।

इस्लामिक देशों के संगठन और पकिस्तान ने पल्ला झाड़ा

पाकिस्तान कहता आया है कि वो इस्लाम के पवित्र शहरों मक्का और मदीना का रक्षक है। लेकिन जब वाकई मक्का पर भी हमला करने की कोशिश की गई तो पाकिस्तान भाग खड़ा हुआ है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा है 'पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट का कोई क्षेत्रीय मकसद नहीं है और यह पूरी तरह से डिफेंसिव है ताकि सामूहिक रूप से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। अल-अरबिया इंग्लिश को दिए एक खास इंटरव्यू में पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि यह समझौता सामूहिक बचाव पर आधारित है और इसमें 'न तो हमला करने का इरादा है, न दखल देने की बात है और न ही कोई आक्रामक पहलू है', यह पूरी तरह से डिफेंसिव है। इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन (OIC) ने भी मक्का पर हुए हमले को लेकर एक निंदा जारी कर अपना पल्ला झाड़ लिया है।

US में हादसा: घटना का कवरेज करने गया हेलीकॉप्टर क्रैश, 3 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के लॉस एंजिल्स के बाहरी इलाके में एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। शहर के फायर डिपार्टमेंट ने जानकारी दी कि इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह हेलीकॉप्टर चैट्सवर्थ इलाके में दो कमर्शियल बिल्डिंग्स के बीच गिरा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। एक बस एक्सीडेंट को कवर कर रहा मीडिया का हेलीकॉप्टर ही क्रैश हो गया। घटनास्थल के फुटेज में दो शिपिंग कंटेनर और कई गाड़ियां जलती हुई दिखाई दीं।

ED की कार्रवाई: कोलकाता-इंदौर में 17 ठिकानों पर रेड

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज कोलकाता और मध्य प्रदेश के इंदौर में कई जगहों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई निवेश से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई, जिसमें कई निवेशकों के साथ धोखाधड़ी हुई थी। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

CJP प्रोटेस्ट: हाई पावर्ड कमेटी में बदलाव नहीं SC बोला-सबूत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर मंतर पर सीजेपी और देश के अन्य हिस्सों में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और पुलिस कार्रवाई की जांच के लिए बनी हाई पावर्ड कमेटी में बदलाव की मांग सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। एक याचिका में कमेटी के कुछ सदस्यों की निष्पक्षता पर सवाल उठाया गया था। कोर्ट ने कहा है कि आरोप अनुमान और कल्पना पर आधारित हैं, उनके पीछे कोई विश्वसनीय सबूत नहीं है। जुलाई के महीने में दिल्ली के जंतर-मंतर समेत देश के कई हिस्सों में हुए छात्र प्रदर्शन हुए थे।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में लैंडस्लाइड, एमपी-राजस्थान में अलर्ट

बिहार में 50 लाख लोग बाढ़ में घिरे

पटना/देहरादून/भोपाल एजेंसी

बिहार के 15 जिलों की 575 पंचायतों में करीब 50 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। कटिहार में सरकारी स्कूल और कोचिंग सेंटर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। बच्चे नाव में बैठकर पढ़ रहे हैं। प्रदेश के 26 जिलों बारिश का यलो अलर्ट है। आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है।

यूपी में बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। करीब 4 लाख की आबादी प्रभावित है। वहीं, लखीमपुर में शारदा नदी का कटान तेज होने से 24 घंटे में 7 मकान नदी में समा गए हैं।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के आदि कैलाश मार्ग पर दोबाट में लैंडस्लाइड से सड़क फिर बंद हो गई। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास सुरक्षा के मद्देनजर यात्रियों को हेलमेट पहनाकर भेजा जा रहा है। चार दिन पहले लैंडस्लाइड में कई घोड़े-खच्चर मारे गए थे। रास्ते में पड़े शवों से बदबू और सांस लेने में परेशानी की शिकायतें सामने आ रही हैं।

राजस्थान के 26 जिलों में 17 सितंबर तक बारिश का यलो अलर्ट है। मंगलवार को अजमेर, पाली समेत कुछ अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

बिहार के कटिहार में बाढ़ के पानी में स्कूल डूबे हैं। गांव के टीचर नाव पर ही बच्चों को पढ़ा रहे हैं।

मध्यप्रदेश में होगी जल्द भारी बरसात!

विदाई से पहले मध्य प्रदेश में भारी बरसात का एक और दौर आ सकता है। मौसम विशेषज्ञों की माने तो 19 सितंबर के बाद नया सिस्टम एक्टिव होगा। यदि यह सिस्टम बना रहा तो प्रदेश की बारिश का कोटा फुल हो सकता है। सामान्य बारिश औसत 37.3 इंच के मुकाबले अब तक 33 इंच पानी गिरा है। यानी, कोटे के बराबर पहुंचने में 4.3 इंच बारिश की और जरूरत है।

पुरानी सब्जी मंडी में बदहाल सड़कें, कचरे के ढेर से बढ़ी परेशानी

भोपाल। हमीदिया रोड स्थित पुरानी सब्जी मंडी में बदहाल सड़कें और जगह-जगह लगे कचरे के ढेर व्यापारियों और ग्राहकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। मंडी परिसर में कई स्थानों पर सड़क उखड़ चुकी है और गड्ढे हो गए हैं। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भरने से स्थिति और खराब हो जाती है। मंडी में नियमित सफाई नहीं होने से जगह-जगह कचरा जमा है। सब्जियों के अवशेष और गंदगी के कारण मंडी का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों का कहना है कि खराब सड़कों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। गड्ढों के कारण कई बार वाहन चालक असंतुलित होकर गिर भी चुके हैं। त्योहार शुरू हो चुके हैं। ऐसे में निगम की इस लापरवाही से कारोबार पर भी असर पड़ रहा है।

व्यापारियों के अनुसार सड़क और सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार शिकायत की, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। रोजाना बड़ी संख्या में ग्राहक मंडी पहुंचते हैं, ऐसे में उन्हें भी गंदगी और खराब रास्तों के बीच खरीदारी करनी पड़ रही है।

न्यूज विंडो

एमपी नगर से हटाया अतिक्रमण टेबल-कुर्सी, सिलेंडर जब्त

भोपाल। एमपी नगर जोन-1 में नगर निगम की टीम अतिक्रमण हटाने के लिए रात में मैदान में उतरी। रात 9 बजे विजय स्तंभ के सामने कार्रवाई की गई। इस दौरान एक बिरयानी मैजिक को क्रेन की मदद से हटाया गया। विजय स्तंभ और विशाल मेगा मॉट के सामने सड़क किनारे कई साल से अतिक्रमण था। कई बार हटाने की कोशिश की गई, लेकिन निगम इन्हें नहीं हटा सका। ठेला, काउंटर, टेबल-कुर्सियां टेबिल, गैस सिलेंडर, फूड ट्रॉली जब्त की गई।

22 किलो गांजे के साथ पिता-पुत्री समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

भोपाल। गांधी नगर पुलिस ने सोमवार रात नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पिता-पुत्री समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 21.95 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। सहायक पुलिस आयुक्त (निशातपुरा) शशांक जैन के अनुसार, गांधी नगर के आकाश पारदी 19 वर्षीय पुत्री खुशी सोलंकी के साथ मिलकर गांजे की खरीद-बिक्री कर रहा था। पुलिस ने एरोसिटी रोड पर घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया।

एकतरफा प्यार में युवती के घर पर फेंका पेट्रोल बम, आग लगी

भोपाल। टीटी नगर इलाके में एकतरफा प्यार में युवक ने युवती के घर पेट्रोल बम फेंककर आग लगा दी। पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार बाणगंगा बस्ती निवासी 24 वर्षीय युवती के पिता का निधन हो चुका है। उसकी परवरिश भाई ने की है। कुछ समय पहले ही उसका रिश्ता तय हुआ था। आरोपी अरबाज उर्फ भय्यू को जब इसकी जानकारी मिली तो वह परेशान करने लगा। शाम को आरोपी युवती के घर पहुंचा और उसकी मोपेड में पत्थर मारकर तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद उसने घर के अंदर पेट्रोल बम फेंक दिया। बम किचन में गिरने से आग लग गई।

रचना टॉवर में जुए पर दांव लगाते सात आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। गोविंदपुरा स्थित रचना टॉवर में एमआईजी 9 नंबर ब्लॉक की छत पर हंगामा हो रहा था। लोगों की शिकायत पर पुलिस पहुंची तो 7 आरोपी जुआ खेलते मिले। बता दें, यह कॉलोनी विधायक-सांसदों के आवास की कॉलोनी है। पुलिस ने 1.08 लाख रुपए जब्त किए हैं। पुलिस ने सतना जिले के सत्यम त्रिपाठी, मिसरोद के महेश अहिरवार, रचना टॉवर के 9 नंबर ब्लॉक में रहने वाले रोहित उर्फ रवि तिवारी, रातीबड़ के संतोष सिंह, दानिश नगर के सचिन पटेल समेत अन्य को पकड़ा।

जरूरत 5 सर्जन की, पर नहीं हो सकी व्यवस्था, रोज 30 ऑपरेशन का लक्ष्य

जेपी में पेट रोग की सर्जरी का संकट, 1 डॉक्टर कर रहे 10 सर्जरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जिला चिकित्सालय जेपी में पेट रोगों की सर्जरी का संकट खड़ा हो गया है। यहां तीन सर्जन तैनात हैं। इनमें से प्रमुख सर्जन डॉ. परवेज खान इसी माह रिटायर हो रहे हैं। यूं तो यहां जरूरत पांच सर्जर की हैं, लेकिन एक एक विशेषज्ञ की कमी और होने जा रही है। जेपी में रोजाना 1000 से ज्यादा मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें से करीब 150 को पेट की शिकायत होती है। ये वे मरीज हैं, जो निचले सेंटर से रेफर होकर आ रहे हैं। विशेषज्ञ इनमें से 25-30 मरीजों की रोजाना सर्जरी कर रहे हैं।

नियमानुसार एक डॉक्टर को अधिकतम तीन या चार ऑपरेशन ही करने का प्रावधान है। लेकिन अस्पताल में हालत यह है कि 8 से 10 ऑपरेशन एक डॉक्टर को करना पड़ रहे हैं। अब यह परेशानी और बढ़ेगी, क्योंकि डॉ. परवेज खान रिटायर हो रहे हैं। ऐसे में अब डॉ. जेपी अरनिल एवं प्रदीप गोधर पर ही सर्जरी का पूरा भार रहेगा। अस्पताल प्रभारी अधीक्षक डॉ. प्रमोद शर्मा का कहना है कि वर्तमान में तीन शल्य क्रिया विशेषज्ञ हैं। इसी महीने डॉ. परवेज के रिटायरमेंट के बाद एक और विशेषज्ञ की कमी हो जाएगी। विशेषज्ञों की कमी दूर करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार को प्रस्ताव भी भेजा है।

प्रमुख सर्जन डॉ. परवेज हो रहे रिटायर, अब डॉ. अरनिल-गोधर पर जिम्मा

एम्स-हमीदिया से जेपी आ रहे मरीज

डॉक्टरों का कहना है कि लंबी प्रतीक्षा होने से एम्स से रोजाना 8 से 10 और हमीदिया से चार-पांच रोगी जेपी पहुंच रहे हैं। वहीं जेपी में डेली सर्जिकल डेट पर मरीज की भर्ती की जा रही है। ऐसे में करीब 30 मरीज ऑपरेशन के लिए भर्ती होते हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि पिछले पांच साल से सर्जन में कमी है और शासन विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं करा रहा है। जेपी प्रबंधन का कहना है कि तीन साल से शल्य क्रिया विशेषज्ञों की पूर्ति के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं। पिछले महीने भी प्रस्ताव भेजा गया था। प्रबंधन को उम्मीद है कि नए साल में मार्च अंत तक अस्पताल को तीन नए सर्जन मिल सकते हैं।

राजधानी में बढ़ रहे पेट रोग के मरीज

डॉक्टरों का कहना हे कि राजधानी भोपाल में पेट रोग के मरीजों में वृद्धि हो रही है। अस्पताल में प्रतिदिन पेट रोगों के मरीजों में वृद्धि हो रही है। फैटी लिवर, एसिड रिफ्लैक्स के मरीजों की संख्या में तेजी आई है। इसके अलावा गॉल ब्लैडर एवं किडनी में पथरी, यूरिन, प्रोस्टेट, हर्निया, बवासीर जैसे रोगों के प्रतिदिन ढाई सौ लेकर 300 मरीज पहुंचते हैं। इनमें करीब 30 या 40 मरीजों को भर्ती करने की नौबत आती है ह्यह्य

प्रसूति वार्ड के विस्तार की तैयारी

इधर-बढ़ती गर्भवती एवं प्रसूताओं की संख्या को देखते हुए जेपी चिकित्सालय प्रसूति वार्ड का विस्तार करेगा। जो नवीन भवन तैयार हुआ है, उसमें यह बढ़ोतरी के साथ व्यवस्था शुरू होगी। दो साल पहले जेपी के प्रसूति वार्ड को काटजू में शिफ्ट कर दिया गया था। चूंकि जेपी जिला चिकित्सालय है इसलिए यहां अस्थायी प्रसूति वार्ड रखा गया था। जिसमें एसएनसीयू और एचआरएसयू एवं पीआईसीयू के बीच पहुंचती प्रतिदिन 50 से लेकर 100 गर्भवती महिलाएं यहां पहुंचती हैं। ऐसे में अब जयप्रकाश चिकित्सालय में प्रसूति वार्ड का विस्तार करने की योजना है। बताया जा रहा है कि अस्पताल में 26 करोड़ की लागत से जो जी प्लस 3 मंजिला नवीन भवन तैयार हुआ है। उसमें पूर्व की तरह प्रसूति वार्ड संचालित किया जाएगा। अस्पताल के पास चार स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं व पांच पीडियाट्रिक्स पूर्व से कार्यरत हैं। जनवरी से नए भवन में सेवाएं शुरू की जाएंगी। प्रभारी अधीक्षक, डॉ. शर्मा ने बताया कि शासन के आदेश का इंतजार है।

हिन्दी पखवाड़े के उद्घाटन सत्र में साहित्यकारों ने भाषा के गौरव और चुनौतियों पर रखे विचार

डॉ. विकास बोले-हमें अंग्रेजी हटाओ नहीं हिन्दी अपनाओ आंदोलन की जरूरत है

भोपाल। दोपहर मेट्रो

'आज हमें अंग्रेजी हटाओ नहीं, बल्कि हिन्दी अपनाओ आंदोलन की जरूरत है। हमारा किसी भाषा से द्वेष नहीं, लेकिन अपनी बोलियों और भाषाओं की चिंता करना हमारा दायित्व है। इसलिए अपनी भाषा के प्रति गौरवबोध जरूरी है।' यह बात मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति हिन्दी भवन भोपाल के मंत्री-संचालक डॉ. विकास दवे ने कही। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल के ऑनलाइन हिन्दी पखवाड़े के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे थे। समिति निदेशक कांता रॉय ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

हिन्दी के सामने की चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुईं, बल्कि बढ़ गई

डॉ. ममता माली, मुंबई और चित्रा राघव राना के संचालन में कार्यक्रम आगे बढ़ा। सारस्वत अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं 'वीणा' पत्रिका के संपादक डॉ. राकेश शर्मा ने कहा, हिन्दी के सामने चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं, पहले से बढ़ी हैं। हिन्दी के विकास के लिए मानकीकृत अंकों और लिपि का प्रचार-प्रसार आवश्यक है। पूर्व सांसद एवं मानस भवन भोपाल के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा ने कहा कि हिन्दी के लिए चिंता और चिंतन दोनों जरूरी हैं। कहा कि हिन्दी के संवैधानिक नियमों का पालन भी पूरी तरह नहीं हो पाया। आभार महासचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने माना।

मेट्रो एंकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने 30 सितंबर तक पौधरोपण की तारीख की तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के लिए काटे 700 पेड़, अब लगाने होंगे 10 गुना 7000 पौधे, जीवित कितने...यह भी बताना होगा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नाथू बरखेड़ा नीलबड़ स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम निर्माण के दौरान 700 पेड़ काटने के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने रुख सख्त किया है। 15 दिन यानी, 30 सितंबर तक एक के बदले 10 गुना (7000) पौधे लगाने के आदेश दिए हैं। पौधों की 100 फीसदी उत्तरजीविता वन विभाग देखेगा। इसकी जीपीएस फोटो सहित कार्रवाई रिपोर्ट भी देनी होगी। एनजीटी ने सड़क निर्माण एवं विकास कार्यों के दौरान 700 वृक्षों की कटाई और उनके बदले समय पर पौधरोपण न होने के नितिन सक्सेना बनाम मप्र.रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन व अन्य के मामले में यह आदेश दिया। न्यायमूर्ति शिवकुमार सिंह व विशेषज्ञ सदस्य सुधीर चतुर्वेदी की पीठ ने निर्देश दिया कि काटे 700 पेड़ों की भरपाई के लिए वन विभाग एवं सामाजिक वानिकी चालू वर्षा सत्र में 10 गुना अनुपात में यानी कुल 7,000 पौधे लगाएं।

इसी स्टेडियम के लिए काटे गए पेड़। पौधरोपण कार्य के लिए 30 सितंबर से पहले पूरा करने के निर्देश दिए।

एनजीटी का यह आदेश

10 गुना क्षतिपूरक वृक्षारोपण : 700 काटे गए पेड़ों के बदले 7,000 पौधे लगाना अनिवार्य है।

सख्त समय-सीमा : पौधरोपण का कार्य इसी चालू वर्षा सत्र में 30 सितंबर 2026 तक पूरा किया जाना चाहिए।

100% सर्वाइवल रेट : वन विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पौधों के जीवित रहने की दर 100% रहे।

सत्यापन व रिपोर्ट : पौधरोपण के बाद तस्वीरों के साथ अनुपालन/कार्रवाई रिपोर्ट पेश करनी होगी।

याचिकाकर्ता बोले- पेड़ काटे लेकिन नए नहीं लगाए

आवेदक नितिन सक्सेना ने याचिका में मुद्दा उठाया था कि स्टेडियम निर्माण और सड़क निर्माण के दौरान 700 से अधिक पेड़ काट दिए गए, लेकिन अभी तक पौधरोपण नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान राज्य शासन के अधिवक्ता प्रशांत एम. हर्णे और वन विभाग के अधिकारी एसडीओ श्वेता सिंह एवं प्रीति ने पीठ को बताया कि बजट आवंटन में देरी और भूमि की अनुपलब्धता के कारण विलंब हुआ था।

कंपनी के तीन डायरेक्टरों पर केस दर्ज

पार्टनर बनाने का झांसा दे होटल डील में कारोबारी से 1.46 करोड़ की ठगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा पुलिस ने होटल चेन कंपनी के तीन डायरेक्टरों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। कारोबारी तरुण प्रताप सिंह बघेल ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उनकी बिल्डिंग को होटल के रूप में विकसित करने और उन्हें बिजनेस पार्टनर बनाने का भरोसा देकर उनसे 1.46 करोड़ रुपए ले लिए। शिकायत के अनुसार बघेल का शक्ति नगर में एक बड़ा भवन है। वे इसे होटल के रूप में विकसित करना चाहते थे। इसी दौरान उन्हें एक कंपनी के बारे में जानकारी मिली, जो इस भवन को 10 से 15 साल की लीज पर लेकर होटल विकसित करने और संयुक्त रूप से निवेश करने का प्रस्ताव दे रही थी। बघेल ने कंपनी के डायरेक्टर शुभम यादव, गरिमा यादव और अर्चित सिंह के साथ समझौता किया। पुलिस के मुताबिक इसके बाद उन्होंने प्रस्तावित होटल के निर्माण और विकास के लिए आरोपियों को 1.46 करोड़ रुपए का भुगतान किया। बघेल का आरोप है कि रुपए लेने के बाद कंपनी ने कुछ काम कराया, लेकिन इसके बाद काम बंद कर दिया। उनके कर्मचारी भी चले गए। इसके बाद अनुबंध के मुताबिक काम पूरा करने के लिए कई बार कंपनी के डायरेक्टरों से संपर्क किया गया, लेकिन हर बार वे टालमटोल करते रहे। थक-हारकर वे पुलिस की शरण में पहुंचे।

रुपए लौटाने को कहा तो फोन उठाना बंद किया

बघेल का आरोप है जब काम बंद हो गया तो रुपए लौटाने की बात कही। इसके बाद आरोपियों ने फोन ही उठाना बंद कर दिया। इसके बाद गोविंदपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच के बाद कंपनी के तीनों डायरेक्टरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। टीआई अवधेश सिंह तोमर के मुताबिक, शिकायतकर्ता के आरोपों और दस्तावेजों के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस अनुबंध, रकम के लेन-देन, भवन में किए गए निर्माण कार्य और कंपनी के साथ हुए पूरे कारोबारी व्यवहार की पड़ताल कर रही है।

चंदबड़ से गोविंदपुरा तक गूंज रहे गणपति बप्पा के जयकारे

भोपाल। राजधानी में गणेश उत्सव का रंग चढ़ गया है। चंदबड़ चौराहा से करारिया चौराहा, कोलुआ गांव, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया और सिक्योरिटी लाइन तक जगह-जगह आकर्षक झांकी पंडाल सजाए गए हैं। इनमें भगवान गणेश की मनमोहक प्रतिमाएं विराजमान हैं।

रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक सजावट और अलग-अलग थीम पर तैयार पंडाल श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रहे हैं। शाम होते ही झांकी स्थलों पर भक्तों की भीड़ बढ़ने लगती है। परिवार के साथ पहुंच रहे श्रद्धालु गणपति के दर्शन कर आरती में शामिल हो रहे हैं।

चंदबड़ और करारिया क्षेत्र में गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से माहौल भक्तिमय है। वहीं कोलुआ गांव और गोविंदपुरा में भी प्रतिदिन आरती, पूजा और प्रसाद वितरण के आयोजन हो रहे हैं। बच्चों और युवाओं में भी उत्सव को लेकर खासा उत्साह है। समितियों के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

टीटी नगर पुलिस ने दर्ज किया मामला

एटीएम में जमा किए 48 हजार रुपए यूपीआई से ठगों ने उड़ाए 29 हजार

भोपाल। मालवीय नगर स्थित पीपुल्स अस्पताल के कर्मचारी के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने यूपीआई के जरिए 29 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने 12 अगस्त की शाम टीटी नगर स्थित एटीएम में 48 हजार रुपए जमा किए थे। इसके बाद बिना ओटीपी बताए खाते से 29 हजार रुपए का यूपीआई ट्रांजेक्शन हो गया। पुलिस के मुताबिक, बाणगंगा निवासी राकेश निवारिया पीपुल्स अस्पताल में मैनपावर का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि 12 अगस्त को शाम करीब 6 बजे आईडीबीआई बैंक की टीटी नगर शाखा के एटीएम में 48 हजार रुपए जमा किए थे। इसके बाद

खाते से कोई रकम नहीं निकाली। राकेश के अनुसार खाता वे खुद संचालित करते हैं और किसी अन्य व्यक्ति को ओटीपी भी नहीं बताया था। रकम निकलने की जानकारी पर उन्होंने बैंक पहुंचकर खाता ब्लॉक कराया। इसके बाद साइबर थाना में शिकायत की। ई-जीरो एफआईआर के आधार पर टीटी नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया।

सिंहस्थ में कैसे मैनेज होगा ट्रैफिक

रेलवे स्टेशनों के बाहर अभी से ऐसा जाम कारोबार प्रभावित, रहवासी भी परेशान

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर में वर्तमान में दो प्रमुख रेलवे स्टेशन हैं, जिनमें से एक सरवटे बस स्टैंड के समीप है और दूसरा नेहरू पार्क के पास। इन दोनों ही स्टेशनों के आसपास की सड़कों पर प्रतिदिन ट्रेनों के आगमन के समय भीषण ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है। ट्रेनों से उतरते ही यात्रियों की भीड़ बाहर निकलती है और ऑटो, ई-रिक्शा व बसों में सवार होने के लिए सड़कों पर जमावड़ा लग जाता है। आगामी सिंहस्थ महाकुंभ को देखते हुए यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है, क्योंकि उस दौरान दोनों स्टेशनों से देशभर के लिए 100 से अधिक ट्रेनों के संचालन की योजना है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो शहर के मध्य क्षेत्र में आवागमन पूरी तरह ठप्प होने की आशंका है।

दुकानों का व्यापार प्रभावित, स्थानीय नागरिक भी परेशान

प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले नागरिकों के साथ आसपास के रहवासी और दुकानदारों ने भी इस हालात पर चिंता जताई है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि वर्तमान में ही जब कोई प्रमुख ट्रेन आती है, तो 20 से 30 मिनट तक दोनों जगह ट्रैफिक जाम लग जाता है। सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग जाती हैं और हमारा निकलना भी मुश्किल हो जाता है। रहवासियों का कहना है कि वाहन चालक लगातार हार्न बजाते हैं और शोर होता रहता है। वहीं व्यापारियों का कहना है कि लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम के कारण उनका धंधा चौपट होता जा रहा है। ग्राहकों ने इन क्षेत्रों में खरीदारी बंद कर दी है क्योंकि वे अपने वाहनों के साथ यहां से आवाजाही नहीं कर पाते।

ट्रेन आते ही लग जाती है ई-रिक्शा की भीड़

स्थानीय व्यवसायी अमित वर्मा ने बताया कि सरवटे स्टैंड के पास सड़क पहले से ही संकरी है। ट्रेन आते ही ऑटो और ई-रिक्शा चालक सड़क के बीच में वाहन खड़े कर देते हैं। जब सिंहस्थ में 100 से अधिक ट्रेनें चलेंगी, तो यहां पैदल चलना भी मुश्किल हो जाएगा। रहवासी सीमा अलावा कहती हैं कि नेहरू पार्क स्टेशन के पास पार्किंग की उचित व्यवस्था न होने से लोग मुख्य मार्ग पर ही पिक-अप और ड्रॉप करते हैं। प्रशासन को तुरंत नए पिक-अप जोन और डायवर्जन प्लान पर काम करना चाहिए।

सीएम मोहन का बिजली कर्मचारियों को बड़ा तोहफा

प्रमोशन से भत्तों तक कई फैसले, किसानों को भी दस घंटे बिजली देने का किया ऐलान

9 हजार से अधिक अभियंता और कर्मचारी हुए पदोन्नत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अब बिजली की कमी वाले राज्य से आगे बढ़कर बिजली सरप्लस राज्य बन चुका है। प्रदेश की कुल विद्युत क्षमता करीब 29 हजार मेगावाट पहुंच गई है और इसमें 30 प्रतिशत हिस्सेदारी स्वच्छ ऊर्जा की है। उन्होंने कहा कि सरकार विद्युत क्षेत्र के विस्तार के साथ-साथ यहां काम करने वाले अभियंताओं और कर्मचारियों के हितों पर भी लगातार फैसले ले रही है।

मुख्यमंत्री रविंद्र भवन में ऊर्जा विभाग के अभियंताओं और कर्मचारियों की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध पावर इंजिनियर्स एंड एम्पलाइज एसोसिएशन ने कर्मचारी हित में लिए गए फैसलों के लिए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्युत कंपनियों में वर्षों से लंबित पदोन्नति का रास्ता साफ करते हुए 9 हजार से अधिक अभियंताओं और कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। इससे कर्मचारियों में उत्साह बढ़ा है और उन्हें आगे बढ़ने का भरोसा मिला है।

उन्होंने कहा कि विद्युत कंपनियों में करीब 20 वर्षों से लंबित विभिन्न भत्तों से जुड़ी समस्याओं का भी समाधान किया गया है। नाइट शिफ्ट, आवागमन और क्षतिपूर्ति समेत कई भत्तों में संशोधन किया गया है। इसका लाभ करीब 25 हजार अधिकारी-कर्मचारियों को मिलने की बात मुख्यमंत्री ने कही।

बिजली उत्पादन में लगातार बढ़ रही क्षमता

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में मजबूत बनाने में ऊर्जा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की अहम भूमिका रही है। उनके प्रयासों से मध्यप्रदेश बिजली सरप्लस राज्य बना है। प्रदेश में करीब 29 हजार मेगावाट की विद्युत क्षमता उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश अब स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले 12 वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 25 गुना से अधिक वृद्धि हुई है और प्रदेश में 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता स्थापित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डेटा सेंटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्रों की स्थापना से आने वाले समय में बिजली की मांग और बढ़ेगी। इसे देखते हुए ऊर्जा विभाग उत्पादन और आपूर्ति की तैयारियों को आगे बढ़ा रहा है।

किसानों को दिन में मिलेगी 10 घंटे बिजली

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता का सीधा लाभ किसानों को भी मिलेगा। अगले सिंचाई सीजन से किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। इससे सिंचाई के दौरान किसानों की सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए सतपुड़ा ताप विद्युत गृह और अमरकंटक ताप विद्युत गृह में नई उत्पादन इकाइयों को मंजूरी दी गई है। सरकार का जोर उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ स्वच्छ ऊर्जा में निवेश बढ़ाने पर भी है। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी विभागों में कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए लगातार फैसले ले रही है। उनके अनुसार प्रदेश में 85 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की गई हैं और वर्षों से लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ाकर एक लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वर्ष में फिर पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विद्युत कंपनियों में भी आवश्यकता के अनुसार नई भर्तियां और पदोन्नतियां जारी रहेंगी।

सागर घटना से सबक, वित्त मंत्री ने चेताया

अवैध अहातों पर सरकार का शिकंजा, दोबारा घटना हुई तो अफसरों पर दर्ज होगा मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सागर की दुखद घटना के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने आबकारी विभाग के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेशभर में बिना अनुमति चल रहे शराब सेवन स्थलों यानी अहातों को तत्काल बंद कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ कर दिया कि आबकारी नीति में अहातों पर प्रतिबंध है, इसलिए नियमों की अनदेखी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी जिले में शराब दुकानों के आसपास बिना अनुमति लोगों को शराब का सेवन कराया जा रहा है तो केवल संबंधित लाइसेंसधारी ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने सागर की घटना को बेहद गंभीर और दुखद बताते हुए कहा कि ऐसी घटना दोबारा नहीं होनी चाहिए। भविष्य में इस तरह की घटना सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब के कारोबार पर कसें नकेल

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अवैध शराब के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शराब बनाने और बेचने वाली अवैध गतिविधियों पर किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उत्पादन इकाइयों की विशेष निगरानी के साथ आदतन आबकारी अपराधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखने को कहा गया है। जरूरत पड़ने पर आबकारी कानून के तहत प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस विभाग के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। साथ ही विभागीय सूचना तंत्र को मजबूत कर अवैध गतिविधियों की अधिक से अधिक जानकारी जुटाने के निर्देश दिए। ज्यादा कीमत पर शराब बेची तो नहीं बचेगा कोईशराब दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने वालों पर भी सरकार ने सख्ती दिखाई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्यादा कीमत पर शराब बेचने की शिकायत मिलते ही तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

राहुल गांधी के लिए इंदौर में रोड शो की तैयारी, प्रदेश के अहम मुद्दे भी उठाएंगे

इंदौर, दोपहर मेट्रो

राहुल गांधी की इंदौर यात्रा को लेकर कांग्रेस आयोजन स्थल के अलावा दूसरी तैयारियां भी कर रही है। कांग्रेस ने राहुल के एयरपोर्ट से आयोजन स्थल तक रोड शो की योजना भी बनाई है, हालांकि इसके लिए राहुल की टीम से अभी तक सहमति नहीं मिली है। लेकिन कांग्रेस नेता चाहते हैं कि मौसम खुला रहेगा तो रोड शो भी संभव है।

इसकी जिम्मेदारी विधानसभा वार नेताओं को सौंपी जा सकती है। राहुल गांधी 19 सितंबर को इंदौर आएंगे और उसी दिन शाम को दिल्ली के लिए रवाना होंगे। वे पूर्वी रिंग रोड के एक होटल में रुकेंगे। वहां से आयोजन स्थल तक आएंगे। कांग्रेस नेता स्कूल-कॉलेजों में जाकर छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं। इसके अलावा उन इलाकों पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है, जहां विद्यार्थी ज्यादा रहते हैं। स्कूल-कॉलेजों के अलावा लाइब्रेरियों और कोचिंग संस्थानों में भी कांग्रेस नेता सक्रिय हैं।

कई बड़े नेता आयोजन की तैयारियों के लिए मंगलवार को ही इंदौर पहुंच चुके हैं। शुक्रवार को प्रदेश और केंद्र स्तर के कुछ कांग्रेस नेता भी इंदौर आ जाएंगे। राहुल गांधी की टीम ने एमपी के ज्वलंत मुद्दों की जानकारी भी मंगाई है। छात्रों की गूंज के साथ राहुल उन मुद्दों को भी छेड़ सकते हैं।फिलहाल आयोजन स्थल पर डोम खड़े करने का काम जारी है। बड़े मंच से राहुल गांधी विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम शाम छह बजे के बाद शुरू होगा।

'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' : अब गांव-गांव पहुंचेगी सरकार

दफ्तरों के चक्कर खत्म! मौके पर मिलेगा योजनाओं का लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अब आम लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगाने और बार-बार आवेदन लेकर भटकने की जरूरत नहीं होगी। मध्यप्रदेश सरकार अब योजनाओं और सेवाओं को सीधे जनता के बीच पहुंचाने जा रही है। इसके लिए 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' शुरू किया जाएगा। अभियान के तहत 2 से 10 अक्टूबर 2026 तक प्रदेशभर में विशेष जनसेवा शिविर लगाए जाएंगे।

अभियान के तहत प्रदेश के हर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में राजस्व विभाग के साथ नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा लोक सेवा प्रबंधन विभाग भी सक्रिय रूप से भागीदारी करेंगे। सरकार का लक्ष्य है कि एक ही स्थान पर नागरिकों को अलग-अलग विभागों की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी मिले तथा पात्र लोगों को उनका लाभ दिलाने की प्रक्रिया भी मौके पर पूरी की जा सके।

आवेदन से लेकर लाभ मिलने तक पूरी निगरानी

शिविरों में केवल आवेदन जमा करने तक ही प्रक्रिया सीमित नहीं रहेगी। आवेदकों का पंजीयन किया जाएगा और उनके आवेदनों के निराकरण की स्थिति भी दर्ज की जाएगी। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी भी व्यवस्थित रूप से संधारित की जाएगी। इससे लोगों को यह पता चल सकेगा कि उनका आवेदन किस स्थिति में है और उन्हें योजना का लाभ कब तथा किस प्रक्रिया के तहत मिलेगा।

योजनाओं की जानकारी भी मिलेगी

कई बार पात्र होने के बावजूद लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं होने के कारण वे लाभ से वंचित रह जाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए शिविरों में नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की पूरी जानकारी दी जाएगी। लोगों को यह भी बताया जाएगा कि किसी योजना का लाभ लेने के लिए कौन पात्र है, आवेदन कैसे करना है और किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। सरकार ने इस अभियान को जन-विश्वास अभियान से भी जोड़ने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य सरकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ जनता तक पहुंचाने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाना है।

भोपाल में क्लस्टर योजना की तैयारी

अमानक खाद-बीज विक्रेताओं पर की जाएगी सख्त कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

किसान कल्याण वर्ष-2026 में भोपाल संभाग को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने के लिए कृषि और संबद्ध विभागों के अधिकारियों की रोजाना मॉनिटरिंग की जाएगी। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों से जुड़े मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और प्रभावी निगरानी व्यवस्था बनाई जाएगी।

उद्यानिकी फसलों की गिरदावरी शत-प्रतिशत कराने और फसल के रकबे व उत्पादन में वृद्धि के लिए निर्देश दिए। ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ के तहत विभिन्न जिलों में फसलों के रकबे को बढ़ाने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन में कृषि आधारित उद्योगों के लिए क्षेत्रवार डेटा जुटाकर क्लस्टर योजना तैयार की जाएगी। खाद-बीज की रोज निगरानी की जाएगी और अमानक खाद-बीज बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पशुपालन को किसानों की स्थायी आय का जरिया बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं को प्रभावी किया जाएगा। जलाशयों के बेहतर उपयोग और आधुनिक मत्स्य तकनीक को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाएगा।

मेट्रो एंकर | हिमालय से भी पुराना है मध्य प्रदेश का इतिहास

दुर्लभ मूर्तियों से पांडुलिपियों तक का है भंडार, लॉन्च हुआ एप

पुरातत्व आयुक्त मदन विभीषण नागरगोजे का खुलासा

ज्ञाना भारतम् मिशन से सहेजी जाएंगी ऐतिहासिक धरोहरें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पुरातत्व संचालनालय एवं अभिलेखागार के आयुक्त मदन विभीषण नागरगोजे का कहना है कि मध्य प्रदेश विरासत प्रदेश, विश्व प्रदेश है। पुरातात्विक दृष्टि से यह महत्वपूर्ण प्रदेश है।

गोंडवाना लैंड का इतिहास और महाद्वीपीय विस्थापन थ्योरी बताती है कि मध्य प्रदेश तब से है, जब हिमालय भी नहीं बना था। नर्मदा नदी गंगा से भी पुरानी है। यहां 6.5 करोड़ वर्ष पुराने डायनासोर के जीवाश्म मिल चुके हैं। डिंडौरी की घोड़ामाड़ा गुफा में ऐसी खोपड़ी मिल चुकी है, जो यह बताती है कि यहां मानव की उपस्थिति आज से लगभग आठ से 10 लाख वर्ष पहले से है। मध्य प्रदेश में दुर्लभ मूर्तियों व पांडुलिपियों का भंडार है।

देसी विक्रमादित्य ऐप से हिंदी में मिलेंगी पांडुलिपियां

उन्होंने यह भी बताया कि पांडुलिपियां मोड़ी, बुंदेली, उर्दू जैसी भाषाओं में मिली हैं। इन सभी को हिंदी में सरल रूप में आमजन और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के लिए देसी विक्रमादित्य एप्लीकेशन तैयार किया जा रहा है। ये पांडुलिपियां नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान अर्जन में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगी। विरासत तकनीक से किस तरह से जुड़ रही है, इसका यह बड़ा उदाहरण है। आयुक्त ने बताया कि तात्याटोपे के हस्ताक्षर, उनके द्वारा लिखे गए सौ से अधिक पत्र, झांसी की रानी की उनके समय बनाई गई उनकी फोटो, अहिल्या गीता और देवी अहिल्याबाई से जुड़ी अन्य सामग्री मिली है। सभी को संरक्षित करने का काम चल रहा है। इसी तरह दुर्लभ मूर्तियां भी मध्य प्रदेश में मिली हैं। सभी का अध्ययन कराया जा रहा है कि वे किस तरह से विशेष हैं। मध्य प्रदेश पुरातत्व विभाग के अधीन 500 पुरातात्विक स्मारक हैं, लेकिन जिस तरह से नई-नई चीजें सामने आ रही हैं, लोगों की मांग है कि ऐसी 5,000 धरोहरें हैं, जिन्हें स्मारक घोषित किया जाना चाहिए।

उन्होंने केंद्र सरकार के ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, संग्रहण और संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया। बताया कि लोगों के पास से एक से एक दुर्लभ पांडुलिपियां मिली हैं। इन्हें वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित करने के बाद स्कैन कर इसकी मूल प्रति मालिक को दे दी जाती है। किसी के पास भी यदि ऐसी ऐतिहासिक धरोहर, जैसे हस्तलिखित पत्र, सिक्के, ताम्रपत्र आदि उपलब्ध हैं, तो वे ज्ञान भारतम् मिशन का एप्लीकेशन डाउनलोड कर इन्हें अपलोड कर सकते हैं। पुरातत्व विभाग की टीम उनके पास से इन्हें संग्रहीत करेगी। वैज्ञानिक तरीके से सफाई और मजबूती देने के बाद इन्हें स्कैन किया जाता है। बाद में संबंधित व्यक्ति को वापस कर दिया जाता है।

दोस्ती का नया अध्याय

अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में दोस्ती तभी टिकाऊ बनती है, जब भावनाओं के साथ साझा हितों की जमीन भी मजबूत हो। भारत और वियतनाम के संबंध अब इसी दिशा में बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। दोनों देशों ने रक्षा उत्पादन, व्यापार, समुद्री संपर्क, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और डिजिटल तकनीक में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। यह संकेत है कि पुरानी मित्रता अब व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल रही है। भारत और वियतनाम के बीच भरोसे का रिश्ता पुराना है, लेकिन बदलती दुनिया ने सहयोग की जरूरत बढ़ा दी है। हिंद-प्रशांत में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, समुद्री सुरक्षा की चुनौतियां और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव दोनों देशों को करीब ला रहे हैं। रक्षा उपकरणों की आपूर्ति और संयुक्त उत्पादन की पहल इसी बदलते समय की जरूरत है। प्रशिक्षण, तकनीक हस्तांतरण और समुद्री सुरक्षा सहयोग दोनों देशों की क्षमताओं को भी मजबूत करेगा। व्यापार इस साझेदारी का दूसरा महत्वपूर्ण आधार है। 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 25 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, इसलिए बाजार की बाधाएं हटाना, निवेश आसान बनाना और व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल करना जरूरी होगा। भारत की दवाओं, कृषि और समुद्री उत्पादों के लिए वियतनाम में बड़ी संभावनाएं हैं। इस रिश्ते का सबसे दूरगामी पहलू तकनीकी सहयोग है। अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा तय करेंगे। सीधी उड़ानों तथा सड़क, रेल और बंदरगाह संपर्क के विस्तार से दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों का आवागमन भी आसान होगा। दक्षिण चीन सागर का बदलता समीकरण इस साझेदारी को रणनीतिक महत्व देता है। चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच भारतवियतनाम की निकटता स्वाभाविक रूप से चर्चा में रहेगी। हालांकि भारत का जोर किसी खेमे के निर्माण से अधिक नियम आधारित व्यवस्था और स्वतंत्र रणनीतिक विकल्पों पर है। समुद्री विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का समर्थन इसी सोच को दशार्ता है। वियतनाम भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का महत्वपूर्ण साझेदार है। अब चुनौती यह है कि समझौते कागज से निकलकर जमीन पर परिणाम बनें।

राजभाषा हिंदी का यथोचित गौरव और सम्मान : कठिन बहुत है डगर पनघट की...

घनश्याम मैथिल 'अमृत'
लेखक, साहित्यकार

जब भी हिंदी दिवस आता है सारे राष्ट्र में हिंदी भाषा के लिए प्रेम उमड़ पड़ता है और लोग इस हिंदी दिवस, सप्ताह , पखवाड़े और मास के आयोजनों को सरकारी कर्मकांड और हिंदी के प्रति श्रद्धा नहीं ' श्राद्ध ' कहकर व्यंग्य करते हैं ,जबकि यह पूर्ण सत्य नहीं है।

जब हम अपने घर परिवार में तरह तरह के तीज त्यौहार और पर्व मनाते हैं तो फिर हिंदी को लेकर उसकी विकास यात्रा को केंद्र में रखे यदि कोई आयोजन होते हैं तो उसे अनुचित तो नहीं कहा जा सकता बस इतना है कि यह कार्यालयों के सरकारी आयोजन या औपचारिक खाना पूर्ति या आंकड़ों और समाचारों का खेल होकर न रह जाए ,और दुर्भाग्य से ऐसा होता है । अब हिंदी में मेडिकल और इंजीनियरिंग की शिक्षा को लेकर मध्यप्रदेश में जो शुरुआत हुई उसकी चारों तरफ कितनी प्रशंसा हुई परन्तु जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट है विधिक या न्यायालयों में आम आदमी को न्याय क्या हिंदी में मिल रहा है यानी आजादी के 79 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज हम हिंदी को लेकर कहां खड़े हैं यदि हम हिंदी भाषी यदि गौर करें तो भाषा कभी हमारे लिए आत्मगौरव और सम्मान का विषय रही ही नहीं हमने अपनी भाषाओं और बोलियों को गंभीरता से नहीं लिया । आप जब भी ' ऑन - लाइन ' बुकिंग अथवा लेन- देन का कोई कार्य करते हैं और भाषा चयन का प्रश्न आता है तो कंप्यूटर से एक संदेश आता है - 'अंग्रेजी के लिए एक दबाएँ, हिंदी के लिए दो दबाएं । ' यह कोई सामान्य बात नहीं है लेकिन यदि आप भाषाई स्वाभिमान और गौरव की दृष्टि से देखें तो यह एक विडंबना है दुःखद है हमारे मुंह पर एक करारा तमाचा है और हिंदी को लेकर हमारी असलियत को बयां करती एक कड़वी सच्चाई है । दो का अर्थ और संदेश स्पष्ट है आपकी पसंद में हिंदी पहले नहीं दूसरे स्थान पर है यानी नंबर वन अंग्रेजी के मुकाबले हिंदी दो नंबर या दूसरे शब्दों में कहें दोयम दर्जे की भाषा है और आखिर हो भी क्यों नहीं इसके लिए स्वयं हिंदी भाषी ही दोषी हैं ,आप स्वयं चिंतन कीजिए कि आप कुंजी पटल पर भाषा चयन के लिए एक दबाते हैं या दो ? तस्वीर खुद व खुद साफ हो जाएगी । यह यह कटु सत्य है कि 99 प्रतिशत लोग अंग्रेजी के लिए एक दबाते हैं यानि हम बोलते कुछ और हैं करते कुछ और हैं । अरे भाषा से जुड़ा हुआ एक और ज्वलंत प्रश्न है -' इंडिया दैट इज भारत । ' जब हमारे भारतीय संविधान के अनुच्छेद -01 का आरंभ ही अंग्रेजी के इस वाक्य से होता हो जहां इंडिया के द्वारा भारत की पहचान कराई जा रही हो और अंग्रेजी का ' इंडिया ' एक नंबर और हिंदी का 'भारत ' दो नंबर पर हो वहां भाषा को लेकर स्थिति इतनी आसान तो नहीं जितनी कि हम समझते हैं ।

हिंदी के समर्थन हिंदी को देश की राष्ट्रभाषा जनभाषा संपर्क भाषा बनाने के लिए आजादी के पूर्व से ही महात्मा गांधी सहित अनेक महामनीषियों ने महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय प्रयास किए हैं इनमें मुझे स्मरण आता है ' प्रताप ' समाचार पत्र के सामादक गणेश शंकर विद्यार्थी द्वारा लिखे गए आलेख का यह अंश -' यदि मुझे देश की आजादी और भाषा की आजादी में से किसी एक को चुनना हो तो मैं निःसंकोच भाषा की आजादी चुनूंगा क्योंकि यदि भाषा आजाद रही तो देश गुलाम नहीं रह सकता और यदि भाषा गुलाम रही तो देश अपनी आजादी फिर खो बैठेगा।' विद्यार्थी जी का यह विचार कोई सहज या सामान्य विचार नहीं है यह हमारे सामने भाषा की ताकत उसकी शक्ति और महत्व को प्रतिपादित करता है ,और विद्यार्थी जी को जिस बात का डर था वही हुआ देश अंग्रेजों की गुलामी से तो आजाद हो गया लेकिन अंग्रेजी भाषा की गुलामी में जकड़ा रहा और आज हम इस भाषाई गुलामी के चलते शरीर से आजाद होकर भी अंग्रेजियत के मानसिक गुलाम बने हुए हैं ।

हमारी भाषाई गुलामी का यह आलम है वह हमारे खून में कुछ इस तरह से शामिल हो गई है कि हमने उसे अपनी नियति मान लिया है और इससे मुक्ति का मार्ग खोजने में भी हमारी नीयत साफ नहीं है। आप पढ़े- लिखे अंग्रेज़ीदां बड़े अफसरों नेताओं अभिनेताओं खिलाड़ियों पूंजीपतियों की तो बात छोड़िए एक आम आदमी की बात कीजिए वह भी अहिंदी नहीं हिन्दीभाषी क्षेत्र की - आप उसके हस्ताक्षर देखिए, आप उसके घर पर टंगी नाम पट्टिका देखिए ।

आप यह देखिए यह आम हिंदी भाषी आदमी किसी आगंतुक पंजिका में अपना नाम पता दर्ज किस भाषा में करता है,उसका सोशल मीडिया अकाउंट किस भाषा में है वह अपने आमंत्रण पत्र किस भाषा में छपवाता है वह अपने रोजमर्रा के फॉर्म यानी प्रपत्र किस भाषा में भरता है आपके बाजारों की दुकानों के बोर्ड किस भाषा में छपे हुए हैं आपके होश उड़ जाएंगे कि भाषा के स्वाभिमान के स्तर पर आप कहां खड़े हैं । वह बिल्कुल अंग्रेजी में बिल्कुल दक्ष नहीं है फिर भी दिनभर अंग्रेजी बोलता है उसकी सुबह 'हैलो - हाय ' और रात ' ओके - बाय ' से होती है । इसीके चलते वह हिंदी की गिनती तो जैसे भूल ही गया है,वह अब अपने घर का नम्बर हो या मोबाइल नंबर या अंक संबंधी कोई बात उसकी जिह्वा पर हिंदी के अंक चाहकर भी नहीं आ सकते और खास तौर से आज की युवा पीढ़ी के लिए यह हिंदी गिनती के अंक मृत हो चुके हैं और हमें पता ही नहीं हम न जाने कौनसी दुनियां में खोये हुए अपनी धुन में चले जा रहे हैं।

भाषा के बारे में हमारे अग्रज साहित्यकार भारतेन्दु हरिश्चन्द की यह अमर पंक्तियाँ हमसे सबकुछ कह देती हैं -' निज भाषा उन्नति अहे सब उन्नति को मूल ,बिन निज भाषा ज्ञान के मिटे न हिय को शूल । ' यह निज भाषा क्या है यह आपकी मातृभाषा है यह आपकी बोली है यह आपकी मराठी गुजराती तमिल तेलुगु कन्नड़ पंजाबी है यह आपकी क्षेत्रीय बोली -बुंदेली बघेली भोजपुरी अवधी गढ़वाली है । इन भाषाओं और बोलियों में हिंदी की जड़ें हैं वह इनसे जीवन रस प्राप्त कर समृद्ध होती है फलती -फूलती है अब हम अपनी इन प्रादेशिक भाषाओं और क्षेत्रीय बोलियों को मिटाने पर तुले हुए हैं तो फिर हिंदी का वट वृक्ष कुम्हलाएगा क्यों नहीं ?

भाषा कोई सिर्फ अभिव्यक्ति या आपसी संवाद का मसला नहीं है यूं तो हम बिना बोले भी अपने हावभाव और इशारों से भी अपनी बात दूसरों तक पहुंचा सकते हैं ,भाषा असल में हमारी पहचान है हमारा चिंतन है हमारी संस्कृति है इसके बिना हम अपनी मौलिकता खो देते हैं बिना भाषा के हमारा अस्तित्व एक मुर्दे के समान है ।

भाषा और बोलियों को सरकारी प्रयासों से नहीं बचाया जा सकता इनके संवर्धन संरक्षण के लिए इनके प्रति आमजन अंतर्मन से अपनी भाषाओं अपनी बोलियों के प्रति आत्म सम्मान ,आत्म गौरव के भाव का होना बहुत आवश्यक है भाषा ही हमारी पहचान है,इसके बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं भाषा हमारे लिए जीवन मरण का प्रश्न है जबतक यह भाव हर भारतीय के हृदय में नहीं होगा तब तक हिंदी के लिए दो दबाएं देश में चलता रहेगा और हिंदी के लिए एक दबाएँ की हम प्रतीक्षा करते रहेंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अपने बुजुर्गों की देखभाल करना नैतिक कर्तव्य ही नहीं कानूनी बाध्यता है

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

आधुनिकता, एकल परिवार की चाहत और भागदौड़ भरी जिंदगी में कई बच्चे अपने जन्मदाताओं को ही बोझ समझने लगे हैं। ऐसे में बुजुर्गों को न केवल मानसिक रूप से अकेलापन झेलना पड़ता है, बल्कि कई बार वे बुनियादी जरूरतों भोजन, स्वास्थ्य के लिए भी मोहताज हो जाते हैं।

आजकल अनेक संतानें शादी के बाद अपने माता-पिता की ओर से आंखें फेर लेती हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य किसी न किसी तरह उनकी सम्पत्ति पर कब्जा करना ही रह जाता है जिस कारण अनेक बुजुर्ग अपनी ही संतानों के हाथों अपमान और अत्याचारों का शिकार हो रहे हैं। भारत सरकार और देश की न्यायपालिका ने बुजुर्गों के संरक्षण के लिए कड़े कदम उठाए हैं:माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण अधिनियम, 2007: इस कानून के तहत यदि संतानें माता-पिता की देखभाल नहीं करती हैं, तो बुजुर्ग अपने क्षेत्र के एसडीएम कार्यालय में शिकायत कर गुजारा भत्ता मांग सकते हैं। संपत्ति वापसी का नियम (धारा 23): सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न अदालतों के फैसलों के अनुसार, यदि किसी बुजुर्ग ने इस शर्त पर अपनी संपत्ति संतानों के नाम की थी कि वे बुढ़ापे में उनकी सेवा करेंगे, और बाद में बच्चे मुकर जाते हैं, तो बुजुर्ग अपनी गिफ्ट डीड या संपत्ति हस्तांतरण को निरस्त करवाकर संपत्ति वापस ले सकते हैं।घर से बेदखली: अगर बच्चे अपने माता-पिता के ही घर में रहकर उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं या सेवा नहीं करते, तो कोर्ट उन्हें घर से बाहर निकालने का आदेश दे सकता है।

आपको बता दें इसीलिए माता-पिता अपनी सम्पत्ति की वसीयत तो अपने बच्चों के नाम अवश्य कर दें परंतु इसे ट्रांसफर न करें। ऐसा करके वे अपने जीवन की संध्या में आने वाली कई परेशानियों से बच सकते हैं।

भारत में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण कल्याण अधिनियम, 2007के अंतर्गत स्पष्ट कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। इनका इस्तेमाल करके संतानों द्वारा अपने कर्त्तव्य का पालन न करने, प्रताड़ित करने या संपत्ति हड़पने का प्रयास करने पर बुजुर्ग अपनी संतानों को दी हुई सम्पत्ति उनसे वापस लेने के लिए उन्हें कानूनन बाध्य कर सकते हैं। न्याय पालिका द्वारा इस साल कई ऐसे ही फैसले दिए गए जिनमे साफ कहा गया है कि अपने बुजुर्गों की देखभाल भरण-पोषण सेवा संतानो का फर्ज ही नहीं है बल्कि कानूनन बाध्यता भी है आपको ऐसे अदालती फैसलों की सिलसिलेवार जानकारी बता रहे हैं बीती 2 फरवरी को कर्नाटक हाई कोर्ट के जस्टिस सूरज गोविंदराज ने अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल न करने वाले एक दम्पति को ट्रांसफर की गई संपत्ति का मालिकाना हक उनके बुजुर्गों को वापस दिलवाया।

6 फरवरी को झारखंड हाई कोर्ट ने बेटे और बहू द्वारा उत्पीड़ित लखन लाल पोद्दार और उनकी पत्नी उमा रानी पोद्दार की याचिका पर सुनवाई के दौरान एस. डी. एम. द्वारा पारित आदेश को बहाल रख कर पीड़ित दम्पति के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उनके बेटे और बहू को तुरंत अपने माता-पिता का जबरन कब्जाया मकान खाली करने का आदेश दिया। 2 मई को दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार ने बुजुर्गों को भरण-पोषण कल्याण अधिनियम के अंतर्गत अपने सास-ससुर को प्रताड़ित करने वाली एक महिला को अपने सास-ससुर के घर से निकाल बाहर करने का मैंटेनेंस ट्रिब्यूनल द्वारा सुनाया गया फैसला सही ठहराया ताकि महिला के बुजुर्ग सास-ससुर वहां शांति से रह सकें।

9 मई को गदरपुर (उत्तराखंड) में माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिकरण न्यायालय ने अपने बेटे व बहू के अत्याचारों के शिकार बुजुर्ग दम्पति, जिन्हें अपने ही घर में सम्मानपूर्वक जीवन जीने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था, के बेटे और बहू को उनकी संपत्ति से बेदखल करने के आदेश जारी किए। 20 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराध्य ने लखनऊ की एक 81 वर्षीय बुजुर्ग महिला को वृद्धाश्रम जाने के लिए मजबूर करने वाले उसके पोते और बहू को तुरंत उनके घर से निकाल बाहर करने का आदेश दिया। 28 अगस्त को बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे के एक फ्लैट से बेटे को तुरंत बेदखल करने के एडिशनल कलैक्टर (ट्रिब्यूनल) के आदेश को सही करार देते हुए कहा कि बुजुर्ग माता-पिता को अपनी प्रॉपर्टी में पूरी शांति, गरिमा और सुरक्षा के साथ रहने का पहला अधिकार है। यदि बेटा या बहू उनके शांतिपूर्ण जीवन में बाधा बनते हैं या खर्चा व दवाइयों की जिम्मेदारी नहीं उठाते, तो उन्हें उनके घर में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

हाल ही में 11 सितम्बर को इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस जे. जे. मुनीर तथा जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने श्याम जी शुक्ला नामक बुजुर्ग द्वारा दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी वरिष्ठ नागरिक की जान और सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर उसके बेटे तथा अन्य रिश्तेदार को उसके घर से निकल जाने का आदेश दिया जा सकता है। श्याम जी शुक्ला ने याचिका दी थी कि उनकी जान को अपने बेटे और बहू से खतरा है, अतः उन्हें उनके मकान से निकाला जाए।

जाहिर है कि उक्त फैसले स्पष्ट करते हैं कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार कानूनी रूप से सुरक्षित हैं और संतानों के लिए उनकी देखभाल करना नैतिक दायित्व ही नहीं बल्कि कानूनी रूप से भी बाध्यकारी है तथा बच्चों द्वारा अपनी जिम्मेदारी न निभाने पर बुजुर्गों के पास कानूनी विकल्प मौजूद हैं। आवश्यकता केवल उनका इस्तेमाल करने की है।

माता-पिता की सेवा करना केवल एक नैतिक कर्तव्य नहीं बल्कि हमारा कानूनी दायित्व भी है। संतानों को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि आज वे जो व्यवहार अपने माता-पिता के साथ कर रहे हैं, कल उनकी अपनी संतानें भी उनके साथ वही दोहरा सकती हैं। यदि आपके आसपास कोई बुजुर्ग इस तरह की प्रताड़ना का शिकार है, तो वे सीधे राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 14567 पर संपर्क करके मदद पा सकते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ - टॉक

डोनर-रेसिपिएंट की जरूरत और एनाटॉमी पर निर्भर करता है लिवर ट्रांसप्लांट

मजबूत पाचन, मेटाबॉलिज्म के कार्य, पोषक तत्वों के इस्तेमाल और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में लिवर मुख्य भूमिका निभाता है। लेकिन, अनियमित खानपान व अन्य कारणों जैसे लिवर सिरोसिस, लिवर फेलियर या अन्य गंभीर रोग होने पर लिवर अपना काम बंद कर देता है, ऐसे में डॉक्टर मरीज को लिवर ट्रांसप्लांट करने की सलाह देते हैं। इसमें किसी व्यक्ति के लिवर का एक हिस्सा लेकर मरीज में ट्रांसप्लांट किया जाता है।

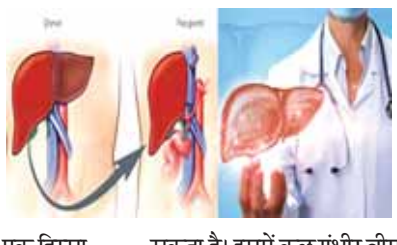

मैयोक्लीनिक के अनुसार हर लिवर डिजीज में ट्रांसप्लांट की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन जब बीमारी एडवांस स्टेज तक पहुंच जाती है और दूसरे ट्रीटमेंट ऑप्शन काफी असर नहीं करते, तब ट्रांसप्लांट पर सोचा जा सकता है। इसमें कुछ गंभीर बीमारियों के स्टेज और लिवर के डैमेज की स्थिति को देखा जाता है। सिरोसिस लंबे समय तक शराब से जुड़ी लिवर की बीमारी, क्रोनिक वायरल हेपेटाइटिस, फैटी लिवर डिज़ीज़ और दूसरी लिवर की स्थितियों के कारण हो सकता है। जब सिरोसिस के कारण लिवर फंक्शन गंभीर रूप से प्रभावित हो जाए, तो ट्रांसप्लांट की ज़रूरत पड़ सकती है।

लिवर का कितना हिस्सा डोनेट कर सकते हैं? यह सवाल सबसे ज्यादा पूछा जाता है, लेकिन इसका जवाब एक तय परसेंटेज नहीं है। डॉक्टर के अनुसार लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट में डोनर के लिवर का लगभग 60% से 70% हिस्सा ट्रांसप्लांट के लिए लिया जा सकता है। कौन-सा हिस्सा और कितनी मात्रा ली जाएगी, यह डोनर और रेसिपिएंट दोनों की जरूरत और एनाटॉमी के आधार पर तय होता है।

आमतौर पर सर्जन डोनर के लिवर की इमेजिंग और वॉल्यूमेट्रिक असेसमेंट करते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि - रेसिपिएंट (प्राप्तकर्ता) को पर्याप्त आकार का ग्राफ्ट मिले। डोनर के शरीर में पर्याप्त लिवर बचा रहे। डोनर के लिए सर्जरी का रिस्क कम स्तर पर हो। लिवर की ब्लड वेसल और बाइल डक्ट्स की एनाटॉमी डोनेशन के लिए सही हो। लिवर में ज्यादा फैट या दूसरी बीमारी न हो।

निशाना

महल बनाया सरपंचो ने गांव को बदहाली देकर

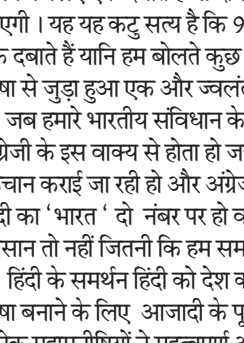

ब्रजकिशोर पटेल

हम को गंदी नाली देकर।
हल्के हो गये गाली देकर।।
ईमानदार बने बैठे हैं।
चोरों को रखवाली देकर।।
खुद ने खाई दूध मलाई।
हमें छाछ की प्याली देकर।।
असली वोटें लेकर उड़ गये।
नोट हाथ में जाली देकर।।
महल बनाया सरपंचों ने।
गांव को बदहाली दे कर।।
भूखों का मन बहलायेंगे।
रोटी की कव्वाली दे कर।।
बन बैठे हैं अरबपति वो।
लाखों को कंगाली देकर।।

टेक्नो अपडेट

मोबाइल चिप से एआई तक, टेक्नोलॉजी में तेजी से बदल रही तस्वीर

टेक्नोलॉजी की दुनिया में इन दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), स्मार्टफोन चिप और डिजिटल सेवाओं को लेकर तेजी से बदलाव हो रहे हैं। खासतौर पर मोबाइल फोन में एआई को सीधे डिवाइस पर चलाने की क्षमता बढ़ाने पर कंपनियों का जोर है। इसी दिशा में मीडियाटेक ने नया Dimensity 9600 Pro मोबाइल प्रोसेसर पेश किया है, जिसे टीएसएमसी की 2-नैनोमीटर तकनीक पर तैयार किया गया है। कंपनी के मुताबिक इसमें ऑन-डिवाइस जनरेटिव एआई के लिए न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट है, जिसकी क्षमता पिछली पीढ़ी के मुकाबले 51 फीसदी अधिक बताई गई है।

इसका सीधा मतलब यह है कि भविष्य के स्मार्टफोन में कई एआई सुविधाओं के लिए हर बार इंटरनेट या क्लाउड सर्वर पर निर्भरता कम हो सकती है। फोटो एडिटिंग, भाषा का अनुवाद, आवाज को टेक्स्ट में बदलना और दूसरी एआई आधारित सुविधाएं फोन के अंदर ही तेजी से प्रोसेस हो सकेंगी। मीडियाटेक के नए चिपसेट Xiaomi, Oppo और Vivo जैसे ब्रांडों के आने वाले हाई-एंड स्मार्टफोन में इस्तेमाल होने की संभावना है।

एआई के क्षेत्र में दूसरी बड़ी चर्चा इसकी सुरक्षा और विकास की रफ्तार को लेकर है। हाल के दिनों में कई प्रमुख एआई कंपनियों और विशेषज्ञों के बीच इस बात पर बहस तेज हुई है कि अत्याधुनिक एआई मॉडल विकसित करते समय सुरक्षा को किस तरह प्राथमिकता दी जाए। 15 सितंबर को सामने आई रिपोर्ट के अनुसार OpenAI, Anthropic और Google DeepMind के बीच एआई सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर समन्वय की बातचीत भी हुई है। हालांकि इस संबंध में सामने आई जानकारी रिपोर्टिंग पर आधारित है और संबंधित कंपनियों की ओर से सभी विवरणों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई थी। इसी बहस के बीच मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि एआई कंपनियों के पास सुरक्षित तरीके से विकास करने के पर्याप्त व्यावसायिक और कानूनी प्रोत्साहन मौजूद हैं। उन्होंने स्वतंत्र मूल्यांकन जैसे तरीकों को महत्वपूर्ण बताया। इससे साफ है कि एआई की अगली दौड़ केवल ज्यादा शक्तिशाली मॉडल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने की भी है।

भारत में भी एआई और डीप-टेक को लेकर गतिविधियां बढ़ रही हैं। हाल में नई दिल्ली में आयोजित भारत इनोवेट्स एक्सपोजिशन में 37 डीप-टेक इनोवेशन प्रदर्शित किए गए।

अजब - गजब

'पाताल' तक जाती हैं इस पेड़ की जड़ें, सूखे इलाकों में कम कर सकता है पानी की समस्या

अफ्रीकी देश सेनेगल के फाइडरबिया एल्बिडा पेड़ों पर की गई रिसर्च में कई अहम बातें सामने आई हैं। इसे वैज्ञानिक पर्यावरण के लिहाज से बेहद अहम और राहतभरा संकेत मान रहे हैं। रिसर्च बताती है कि सेनेगल के सूखे एग्रोफॉरेस्ट्री इलाकों में उगने वाले ये विशाल पेड़ मिट्टी में पानी को गहराई तक पहुंचाने में मदद करते हैं। फाइडरबिया एल्बिडा की जड़ों के सूखे माहौल में मिट्टी में पानी की आवाजाही और भूजल को फिर से भरने की प्रक्रिया पर की गई रिसर्च में ये चीजें सामने आई हैं। अध्ययन में कई सालों तक मिट्टी की नमी और सैप-फ्लो (पेड़ के अंदर तरल का बहाव) की माप को हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग के साथ मिलाकर देखा गया कि जमीन के नीचे पानी के साथ क्या होता है। जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी में छपे इस अध्ययन में बताया गया है कि पेड़ की जड़ें स्थानीय स्तर पर मिट्टी के हाइड्रोलिक व्यवहार को बदल सकती हैं, जिससे पानी गहरी परतों की ओर जा सकता है।

अनुमान है कि भूजल रीचार्ज सालाना बारिश का तकरीबन 26 फीसदी हिस्सा होता है। सेनेगल में हुए अध्ययन में यह देखा गया कि फाइडरबिया एल्बिडा के पेड़ सूखे एग्रोफॉरेस्ट्री इलाकों में पानी की आवाजाही पर कैसे असर डालते हैं। शोध के नतीजों से पता चलता है कि पेड़ अपनी जड़ों के आसपास मिट्टी के हाइड्रोलिक व्यवहार को बदल सकता है, जिससे पानी मिट्टी में गहराई तक जा सकता है। अध्ययन का अनुमान है कि इन सिस्टम के नीचे भूजल रीचार्ज काफी अच्छा बना रह सकता है। इससे पता चलता है कि फाइडरबिया सूखे इलाकों में पानी के संतुलन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फाइडरबिया एल्बिडा का इस्तेमाल साहेलियन एग्रोफॉरेस्ट्री पार्कलैंड में बड़े पैमाने पर किया जाता है क्योंकि इसके कई फायदे हैं और यह मौसम के हिसाब से उल्टे विकास का पैटर्न दिखाता है।

पानी के संतुलन में मदद: शुष्क इलाकों में 'फाइडेर्बिया एल्बिडा' का पानी के संतुलन पर कुल मिलाकर सकारात्मक असर पड़ सकता है। भले ही इसकी जड़ें मिट्टी से पानी लेती हों। स्टडी से पता चलता है कि जड़ों के आसपास मिट्टी के हाइड्रोलिक व्यवहार में बदलाव पानी को गहरी परतों की ओर जाने में मदद कर सकते हैं और ग्राउंडवॉटर रिचार्ज में योगदान दे सकते हैं। इसका मतलब है कि वॉटर साइकिल में पेड़ की भूमिका मिट्टी के कम पानी का इस्तेमाल करने से आगे तक है। इसका असर जड़ों के सोखे गए पानी की मात्रा और जड़ प्रणाली पानी के बहाव को कैसे प्रभावित करने पर निर्भर करता है।

माटी-गोबर से गढ़े गणपति, बालिकाओं ने दिया प्रकृति बचाने का संदेश

करेली छात्रावास में ईको फ्रेंडली गणेश निर्माण कार्यशाला, 76 बालिकाओं ने उत्साह से बनाई आकर्षक प्रतिमाएं

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

गणेशोत्सव के अवसर पर शासकीय बालिका छात्रावास करेली में रविवार को 'माटी गणेश, सिद्ध गणेश' अभियान के तहत ईको फ्रेंडली गणेश निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में छात्रावास की 76 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मिट्टी और गोबर से भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं बनाईं। बालिकाओं ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए आकर्षक प्रतिमाओं को आकार दिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यशाला का उद्देश्य बालिकाओं में सृजनात्मक, रचनात्मक और बौद्धिक कौशल विकसित करने के साथ प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करना रहा। इस दौरान बालिकाओं को बताया गया कि मिट्टी और गोबर से बनी गणेश प्रतिमाएं प्राकृतिक रूप से घुलनशील होती हैं। इनके विसर्जन से जल प्रदूषण को कम करने में मदद मिलती है। इस पहल के माध्यम से पारंपरिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में सलोनी मेहरा, साक्षी तेकाम, आरजू जाटव सहित कुल 76 बालिकाओं ने भाग लिया। सभी ने पूरे उत्साह के साथ गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया। कार्यशाला को सफल बनाने में अभिभावकों ने मिट्टी और गोबर उपलब्ध कराकर सहयोग किया। आयोजन में श्रीलेखा शर्मा और शकुंतला मेहरा प्रेरणास्रोत रहीं। बालिकाओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा के जरिए यह संदेश दिया कि गणेशोत्सव को पर्यावरण हितैषी तरीके से भी मनाया जा सकता है।

मिट्टी के गणपति से प्रकृति संरक्षण का संदेश

गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करेली के शासकीय बालिका छात्रावास में ईको फ्रेंडली गणेश निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। बालिकाओं ने मिट्टी और गोबर से भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं तैयार कीं। कार्यशाला में उन्हें बताया गया कि प्राकृतिक सामग्री से बनी प्रतिमाएं विसर्जन के बाद आसानी से घुल जाती हैं और जलस्रोतों पर प्रदूषण का दबाव कम करने में सहायक होती हैं। इस पहल ने धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने का संदेश दिया। बालिकाओं ने प्रतिमाओं को आकर्षक स्वरूप देते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन के माध्यम से छात्राओं को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने और पर्यावरण अनुकूल तरीके से त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया गया।

बालिकाओं ने दिखाया हुनर अभिभावकों ने बढ़ाया उत्साह

शासकीय बालिका छात्रावास करेली में आयोजित कार्यशाला में कुल 76 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सलोनी मेहरा, साक्षी तेकाम और आरजू जाटव सहित छात्राओं ने मिट्टी और गोबर को आकार देकर गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं। प्रतिमाएं बनाते समय बालिकाओं ने अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल का परिचय दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कार्यशाला के लिए आवश्यक मिट्टी और गोबर उपलब्ध कराया। आयोजन में श्रीलेखा शर्मा और शकुंतला मेहरा ने प्रेरणास्रोत के रूप में सहयोग किया। कार्यशाला केवल प्रतिमा निर्माण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसके जरिए बालिकाओं को पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और त्योहारों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से मनाने का संदेश भी दिया गया।

न्यूज विंडो

नेत्र शिविर : 122 मरीजों की जांच में 23 में मिला मोतियाबिंद, 31 को बांटे चश्मे

गंजबासौदा। स्वर्गीय श्री नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सहयोग से मंगलवार को आयोजित नियमित नेत्र परीक्षण शिविर में 122 मरीजों की आंखों की जांच की गई। सदुरु नेत्र चिकित्सक डॉ. राजकरण वर्मा ने मरीजों का परीक्षण कर उन्हें नेत्र रोगों से बचाव और आंखों की देखभाल संबंधी आवश्यक जानकारी दी। शिविर के दौरान 23 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की गई। वहीं 39 मरीजों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। 31 मरीजों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए, जबकि 29 मरीजों की आंखों का नंबर निकालकर उन्हें उपलब्ध कराया गया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी भगवान दास साहू और समाजसेवी मनोज यादव ने जांच के लिए पहुंचे मरीजों को खिचड़ी का वितरण भी किया। शिविर में सुरेंद्र भारद्वाज, जगदीश अग्रवाल, हेमंत भंडारी, अजय जैन, डबलू, लाखन सिंह, हरी सिंह और देशराज ने सक्रिय सहयोग किया। भगवान दास साहू, मनोज यादव और सुरेंद्र भारद्वाज ने संस्थान के अंधत्व निवारण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे लोगों को गांव के आसपास ही नेत्र जांच और उपचार की सुविधा मिल सके। शिविर के सहयोगी सुनील बाबू पिंगले ने बताया कि संस्थान नियमित रूप से नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित कर जरूरतमंद मरीजों को जांच, दवा और चश्मे जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है।

अभियंता दिवस पर उपयंत्री सौरव सम्मानित विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान की सराहना

गंजबासौदा। अभियंता दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद गंजबासौदा में पदस्थ उपयंत्री सौरव श्रीवास्तव को उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने उन्हें पुरस्कार प्रदान किया। उपयंत्री सौरव श्रीवास्तव ने नगर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमृत योजना, अधोसंरचना विकास और स्वच्छ भारत मिशन के तहत कराए गए कार्यों में उनके तकनीकी योगदान की विशेष रूप से सराहना की गई। बताया गया कि उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों की जियो टैगिंग और ऑनलाइन निगरानी संबंधी रिपोर्ट को राज्य स्तर पर भी सराहा गया था। कार्यों की नियमित निगरानी, गुणवत्ता बनाए रखने और समयबद्धता को लेकर किए गए प्रयासों के चलते अभियंता दिवस पर उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान मिलने पर नगर पालिका परिषद में हर्ष का माहौल रहा। नगर पालिका अध्यक्ष एवं सीएमओ अशोक वर्मा सहित अधिकारी-कर्मचारियों ने सौरव श्रीवास्तव को बधाई और शुभकामनाएं दीं। सीएमओ अशोक वर्मा ने कहा कि सौरव श्रीवास्तव की कार्यशैली और विकास कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता युवा अभियंताओं के लिए प्रेरणादायक है।

भागवत कथा में पं. बिहारी दास ने कहा–परिवार में भजन और साथ भोजन की परंपरा जरूरी

सुदामा ने सिखाया संतोष का धन, कृष्ण-सुदामा की मित्रता ने दिया प्रेम का संदेश

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र गौशाला में अयोध्यावासी सोनी परिवार के तत्वावधान में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन कथा व्यास एवं गौ पीठाधीश्वर पंडित विपिन बिहारी दास ने सुदामा चरित्र का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के माध्यम से संतोष, प्रेम, संस्कार और अच्छी सोच का महत्व बताया।

उन्होंने कहा कि सुदामा अत्यंत निर्धन होने के बावजूद सदैव प्रसन्न रहते थे। उनके घर में चूल्हा था, लेकिन तवा नहीं था और दीवारें थीं, लेकिन छप्पर नहीं था। इसके बावजूद वे अपने जीवन से संतुष्ट थे। उन्होंने कहा कि 'जितना प्राप्त है, उतना पर्याप्त है।' इच्छाएं कभी पूरी नहीं होतीं, इसलिए मनुष्य के जीवन में संतोष रूपी धन होना आवश्यक है। पंडित विपिन बिहारी ने परिवार में प्रेम बनाए रखने के लिए साथ भोजन और भजन करने की परंपरा विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार देकर प्रहलाद जैसा बनाना चाहिए। मां चाहे तो अपनी संतान को संस्कारी बना सकती है और चाहे तो बिगाड़ भी सकती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से गलत आदतों और आचरण से दूर रहने तथा नियमित मंदिर जाने का आग्रह किया। कथा में सुदामा द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को भेंट किए गए चावलों का महत्व भी बताया गया। उन्होंने 'जिनेन्द्र' शब्द का अर्थ समझाते हुए इंद्रियों पर विजय पाने को इसका आधार बताया। इस अवसर पर भगवानदास सोनी ने गौ पीठ सुरखी के लिए 51 हजार रुपए दान दिए। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सुदामा चरित्र के प्रसंग के माध्यम से पंडित विपिन बिहारी दास ने श्रद्धालुओं को संतोष का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि सुदामा के पास भौतिक सुविधाएं नहीं थीं, लेकिन उनका मन संतोष से भरा था। घर में चूल्हा था, तवा नहीं था और दीवारें थीं, लेकिन छप्पर नहीं था। फिर भी वे प्रसन्न रहते थे।

बच्चों को दें संस्कार, परिवार में हो भजन और प्रेम

कथा के दौरान पंडित विपिन बिहारी दास ने परिवार और बच्चों में संस्कारों के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि माता बच्चों के जीवन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मां चाहे तो अपनी संतान को संस्कारी बना सकती है और चाहे तो बिगाड़ भी सकती है। उन्होंने परिवार के सदस्यों से साथ भोजन करने और भजन करने की आदत विकसित करने का आग्रह किया। बच्चों को धार्मिक स्थलों पर ले जाने और उन्हें अच्छी सीख देने की बात कही। उन्होंने श्रद्धालुओं से गलत आदतों और गलत आचरण से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर भगवानदास सोनी ने गौ पीठ सुरखी के लिए 51 हजार रुपए की राशि दान की।

शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध-नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की योजनाओं पर हुई चर्चा

प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने राज्यपाल डॉ. मंगुभाई पटेल से की मुलाकात

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जीवाजी विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के हित में संचालित तथा प्रस्तावित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

भेंट के दौरान शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने, शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। कुलगुरु प्रो. राजपूत ने विश्वविद्यालय की आगामी कार्ययोजना को लेकर कुलाधिपति से मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रो. राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। शैक्षणिक वातावरण को मजबूत करने, शोध गतिविधियों को गति देने और विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

अन्नपूर्णा मुहिम ने थामा परिवार का हाथ, राशन लेकर पहुंचे अनुयायी

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

मानवता और जरूरतमंद परिवारों की सहायता के उद्देश्य से संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों ने ग्राम गोंगावरी में एक जरूरतमंद परिवार को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। मुनींद्र धर्मार्थ ट्रस्ट के तहत संचालित अन्नपूर्णा मुहिम के अंतर्गत दशरथ यादव के परिवार को एक माह का राशन प्रदान किया गया।

दशरथ यादव पिछले करीब पांच वर्षों से लकवे के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हैं। उनकी पत्नी करीब 10 वर्ष पहले परिवार से अलग हो गई थीं। परिवार में 18 वर्षीय बेटी साक्षी, 13 वर्षीय बेटा देवी प्रसाद और 80 वर्षीय पिता मुन्नूलाल हैं। परिवार की स्थिति की जानकारी मिलने के बाद अनुयायियों ने सहायता के लिए प्रार्थना भेजी। इसके बाद गुरुजी के निर्देश पर परिवार को नियमित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के साथ बच्चों की शिक्षा के लिए पुस्तकें व स्कूल फीस, कपड़े और पक्के मकान के निर्माण में सहयोग की पहल की गई। जिला समन्वयक हरिराम साहू सहित महेंद्र शर्मा, इमरतपाल, मुरारी सोनी, जगमोहन शर्मा, देवी सिंह लोधी, धनीराम पटेल, मातवर पटेल, तूफान लोधी, राजेंद्र सिंह, घासी राम मेहरा सहित अन्य अनुयायी परिवार के घर पहुंचे।

हिन्दी दिवस पर काव्यांजलि से गूंजा एलबीएस कॉलेज, कविताओं में दिखी भाषा की विरासत

प्राध्यापकों ने हिन्दी के महत्व पर रखे विचार, विद्यार्थियों की रचनाओं ने बटोरी खूब सराहना

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एलबीएस कॉलेज में काव्यांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षाविदों, प्राध्यापकों और कवियों ने हिन्दी भाषा के महत्व, साहित्य की भूमिका तथा बदलते दौर में हिन्दी के स्वरूप पर विचार रखे। काव्य पाठ और साहित्यिक संवाद के बीच कॉलेज परिसर रचनात्मक प्रस्तुतियों से गूंज उठा।

गुलाबगंज शासकीय कॉलेज के प्राचार्य एवं कवि डॉ. मणिमोहन मेहता ने युवाओं से कहा कि आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का उपयोग आवश्यकता के अनुसार किया जाना चाहिए, लेकिन इसके साथ अपनी रचनात्मकता और लेखन क्षमता को बनाए रखना भी जरूरी है। एसजीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नरेन्द्र कुमार ने कहा कि हिन्दी के विकास और विस्तार के लिए अन्य भाषाओं के साहित्य का हिन्दी में अनुवाद बढ़ाना चाहिए। भाषा की श्रेष्ठता को लेकर संकीर्ण सोच समाप्त करने की जरूरत है। उन्होंने प्रेमचंद और जयशंकर प्रसाद की लेखन शैली का उदाहरण दिया।

कवि एवं गजलकार कमलेश बंसल ने गजल पाठ के माध्यम से नारी जीवन और उसके संरक्षण का संदेश दिया। नवोदित कवयित्री प्रगति यादव ने गीत के माध्यम से हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया। छात्र आकाश साहू, अभिषेक अहिरवार सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी कविताओं का पाठ कर श्रोताओं की सराहना बटोरी।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. पीयूष दुबे सहित प्राध्यापकों ने हिन्दी साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता और हिन्दी की संवैधानिक स्थिति पर विचार रखे। संचालन साहित्यकार दिनकर कद्रे ने किया।

मेट्रो एंकर हनुमान चालीसा केंद्र को नगरवासियों का मिला सहयोग, धार्मिक चेतना, सनातन संस्कृति से जुड़ने का दिया संदेश

सात दिन से गूंज रही हनुमान चालीसा, सामूहिक पाठ से भक्तिमय हुआ मंडीदीप

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा धार्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित प्रतिदिन हनुमान चालीसा केंद्र ने एक सप्ताह पूरा कर लिया। लगातार सात दिनों से श्रद्धालु और कार्यकर्ता एकत्रित होकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। आयोजन के दौरान जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो रहा है।

हनुमान चालीसा केंद्र के माध्यम से क्षेत्र में भक्ति, सामाजिक एकता और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। आयोजन में राष्ट्रीय बजरंग दल के हनुमान चालीसा केंद्र अध्यक्ष सोनू सनातनी, जिला संयोजक पिंटू सिंह, जिला उपाध्यक्ष बल्लू विश्वकर्मा, जिला गौ रक्षा प्रमुख राहुल खंगार, प्रखंड उपाध्यक्ष अमानत चतुर्वेदी सहित जिला एवं प्रखंड स्तर के कार्यकर्ता नियमित रूप से सहयोग कर रहे हैं।

आयोजन को सफल बनाने में नगरवासियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन हनुमान चालीसा पाठ में शामिल होकर आयोजन को गति दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने बताया कि केंद्र का उद्देश्य धार्मिक भावना को मजबूत करने के साथ युवाओं को सनातन संस्कृति और धार्मिक मूल्यों से जोड़ना है। आयोजकों ने नगरवासियों और सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी धार्मिक आयोजनों में इसी तरह सहभागिता करने की अपील की।

शराब दुकान पर ओवररेटिंग को लेकर बवाल, ग्राहक-कर्मचारियों में मारपीट

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

शहर की शराब दुकान नंबर-2 के बाहर सोमवार शाम शराब की कीमत और पैसों के लेनदेन को लेकर ग्राहक और दुकान कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद मामला मारपीट और पथराव तक पहुंच गया। दोनों पक्षों के बीच लात-घूंसे चलने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान सड़क पर रखा नीला ड्रम भी एक-दूसरे पर फेंका गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार शराब की कीमत में कथित मनमानी वसूली और पैसों के हिसाब-किताब को लेकर ग्राहक और सेल्समैन के बीच विवाद शुरू हुआ था। आरोप है कि दुकान के अंदर से कुछ कर्मचारी बाहर आए और ग्राहक से हाथापाई शुरू हो गई। इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने भी जवाबी हमला किया। देखते ही देखते दोनों ओर से पत्थरबाजी होने लगी। घटना के दौरान मौके पर मौजूद एक राहगीर ने पूरी घटना का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। यह वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार प्राथमिक जांच के आधार पर दोनों पक्षों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

पुरातत्व संरक्षित इमारत रहा बंद , 800 का पुलिसबल रहा तैनात

प्रशासन की सख्ती के चलते नहीं निकला वराह मार्च, 65 लोग को पुलिस ने हिरासत में रखा

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में मंगलवार को प्रशासन की सख्ती का असर साफ दिखाई दिया। सनातन प्रहरी समिति द्वारा घोषित वराह मार्च नहीं निकल पाया। मार्च दोपहर 2 बजे पीजी कॉलेज ग्राउंड से निकाला जाना प्रस्तावित था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने आयोजन से जुड़े प्रमुख पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अभिरक्षा में लेना शुरू कर दिया। सुबह करीब 6 बजे से पुलिस टीमें सक्रिय रहीं। हिंदू नेता एवं आयोजन के प्रमुख सूत्रधार आशीष बसु सहित समिति के प्रमुख पदाधिकारियों को उनके घरों से हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार सभी को 24 घंटे की अभिरक्षा में रखा गया।

इधर, दोपहर में शहर के अलग-अलग चौराहों पर कुछ युवाओं के एकत्रित होने और मार्च निकालने की कोशिश की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। सुबह से लेकर दोपहर तक पुलिस ने समिति से जुडे 15 पदाधिकारी सहित कुल 65 लोगों को हिरासत में लेकर अस्थायी जेल भेजा गया। शहर में करीब 800 पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी गई। पुलिस की सख्ती के चलते स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही। दरअसल सनातन प्रहरी समिति ने करीब एक माह पहले वराह मार्च निकालने की घोषणा की थी। शहर की कानून-व्यवस्था को देखते हुए जिला प्रशासन ने मार्च की अनुमति निरस्त कर दी थी। इसके साथ ही शहर में समिति द्वारा लगाए गए फ्लैक्स और होर्डिंग भी हटाए गए थे। इसके बावजूद आयोजकों ने मार्च निकालने की घोषणा जारी रखी।आयोजकों ने दोपहर 2 बजे पीजी कॉलेज ग्राउंड में एकत्रित होने की योजना बनाई थी। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर कॉलेज परिसर को अपने कब्जे में लेकर सील कर दिया। विद्यार्थियों को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति को परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया। सुबह से ही कॉलेज परिसर के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

पुलिसकर्मियों से की बहस

पुलिस अधिकारियों ने सबसे पहले हिंदू नेता आशीष बसु को अभिरक्षा में लिया, वाहन में ले जाने के दौरान बसु ने कहा कि पहले उन्हें बताया जाए कि कहां पर ले जा रहे है। बसु ने दो टूक कहा कि अगर मेंरा एनकाउंट कर दिया तो। इसपर अधिकारियों ने कहा कि उन्हेंह सिर्फ थाने पर ही निगरानी में रखा जाएगा। इसके बाद अन्यद लोगों की गिरफतारी शुरु की गई, कुछ लोग पीजी कॉलेज की और बाइकों से पहुंचने का प्रयास भी किया। ऐसे में पुलिस पहुंची तो लोग जवानों से ही बहस करने लगे, पुलिसकर्मियों ने तुरंत हाथ पकडकर शासकीय वाहनों में बैठा दिया। पुलिस अभिरक्षा के दौरान सनातन प्रहरी समिति के लोगों ने जमकर नारेबाजी भी की। शहर के तीन स्थानों से युवाओं ने बाइक के माध्यौम से रैली निकालने की कोशिश की, हालांकि समय पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

ये हैं भवन का इतिहास

इस ऐतिहासिक स्थल को हिंदू पक्ष 'विजय मंदिर' और मुस्लिम समाज 'लाट मस्जिद' के रूप में जानता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार इसका निर्माण 11वीं शताब्दी (1010-1055 ईस्वी) में परमार वंश के राजा भोज ने करवाया था, जिसके बाहर विशाल लोह स्तंभ (लाट) स्थित है। स्वतंत्रता पूर्व से एएसआई संरक्षित इस स्थल पर पूर्व व्यवस्था के तहत मुस्लिम पक्ष को दोनों ईदों पर नमाज तथा हिंदू समाज को दशहरे के अगले दिन मिलन समारोह की अनुमति रहती है। एएसआई ने आदेश जारी कर गंजीखाना स्थित पुरातत्व संरक्षित इमारत को एक दिन के लिए बंद रखा, विभाग के अधिकारियों के अनुसार इमारत में मरम्मषत का कार्य चल रहा हैं, जिसके कारण आम पर्यटकों के लिए भवन को बंद रखा गया।

पुलिस के आदेशों का उल्लंकघन करने व शहर की शांति व्यवस्था बिगाडने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की गई हैं, सभी को 24 घंटे के लिए पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया था। सीसीटीवी कैमरों, हाईराइज बिल्डिंग और ड्रोन के माध्यम से शहर की निगरानी गई, संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल तैनात रहा।

-सचिन शर्मा, एसपी, धार

कन्या स्कूल के पास लंबे समय से जमा है कचरा छात्राओं की परेशानी से अभिभावकों में चिंता

धार जिले के राजोद में कचरे की दुर्गंध से 6 छात्राओं की बिगड़ी तबीयत, तीन अस्पताल में भर्ती

धार। दोपहर मेट्रो

कन्या हायर सेकंडरी स्कूल राजोद में गुरुवार को कचरे की दुर्गंध के कारण करीब 5-6 छात्राओं की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया। छात्राओं को घबराहट होने के साथ मचलने की शिकायत हुई। उन्होंने इसकी जानकारी अपने क्लास टीचर और प्राचार्य जेके शर्मा को दी। इसके बाद प्राचार्य छात्राओं को तत्काल राजोद अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल में डॉक्टर भंवर ने छात्राओं का उपचार किया। तीन छात्राओं को इंजेक्शन और गोलियां देकर अस्पताल में भर्ती किया गया। इनमें दिव्या जाट निवासी सदला, राधा चरण निवासी रानीखेड़ी राजोद और अंगूरबाला निवासी झिंझोटा की तबीयत अधिक खराब बताई गई। अधिक तकलीफ होने पर इन्हें सरदारपुर रेफर करने की बात कही गई। स्कूल के पास पूरे राजोद का कचरा एकत्रित किया जाता है। यहां कचरा जमा होने से लगातार दुर्गंध की समस्या बनी रहती है। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, दुर्गंध के कारण पहले भी कई बार छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ा है। इस समस्या की जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी दी जा चुकी है।

प्राचार्य जेके शर्मा द्वारा सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल को भी समस्या से अवगत कराने की बात कही गई है। आरोप है कि कचरा हटाने का आश्वासन मिलने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। परीक्षा के समय छात्राओं की तबीयत बिगड़ने से स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों में चिंता है।

न्यूज विंडो

उज्जैन : डोल ग्यारस पर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे भगवान कालभैरव

उज्जैन। भगवान महाकाल के सेनापति कालभैरव 22 सितंबर को डोल ग्यारस पर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। मंदिर की परंपरा अनुसार शाम 4 बजे राजसी वैभव के साथ सेनापति की सवारी

नगर भ्रमण के लिए रवाना होगी। मंदिर प्रशासन द्वारा सवारी को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। मंदिर प्रशासक संध्या मार्कंडेय ने बताया मंदिर की परंपरा अनुसार शाम 4 बजे कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा पालकी में विराजित भगवान कालभैरव के रजत मुखारविंद व चरण पादुकाओं का पूजन कर पालकी को नगर भ्रमण के लिए रवाना करेंगे। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र बल की टुकड़ी सेनापति को गार्ड ऑफ ऑनर देगी। इसके बाद कारवां नगर भ्रमण के लिए रवाना होगा। सवारी में पुलिस का सशस्त्र बल, बैंड, धार्मिक झांकियां, अखाड़े, हाथी-घोड़े और भक्त शामिल होंगे। कालभैरव मंदिर से शुरू होकर सवारी नया बाजार, भैरवगढ़ नाका, माणक चौक, महेंद्र मार्ग होते हुए केंद्रीय जेल तिराहे पहुंचेगी।

उमरिया में रेफर के कुछ देर बाद हुई प्रसव पीड़ा, एंबुलेंस में हुई डिलीवरी

उमरिया। जिला अस्पताल से देर रात शहडोल रेफर की गई प्रसूता ने रास्ते में एम्बुलेंस के भीतर ही बेटे को जन्म दे दिया। अमहा के करीब हाईवे पर अचानक प्रसव पीड़ा बढ़ने के बाद एम्बुलेंस में ही

सुरक्षित प्रसव कराया गया। इस दौरान इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन पुष्पराज यादव और पायलट शिवम यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए जच्चा-बच्चा को सुरक्षित तरीके से करकेली अस्पताल पहुंचाया, जहां देर रात दोनों को भर्ती कराया गया। मुख्यालय से सटे ग्राम महिमार निवासी 31 वर्षीय प्रेम बाई पति मोती कोल को एक दिन पहले असहनीय प्रसव पीड़ा के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि, प्रसूता का पूर्व में नसबंदी का ऑपरेशन भी हो चुका था, बावजूद इसके यह उसकी पांचवीं डिलीवरी थी। पूर्व में जन्मे एक पुत्र की मृत्यु भी हो चुकी है। अस्पताल में प्रसूता की स्थिति एब्नॉर्मल प्रेजेंटेशन बताई गई, जिसके बाद देर रात करीब एक बजे उसे शहडोल रेफर कर दिया गया।

जबलपुर हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

नियम विरुद्ध संचालित हो रहे अस्पताल की रिपोर्ट पेश करें

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगलपीठ ने नियम विरुद्ध संचालित अस्पतालों के खिलाफ की गई कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश राज्य सरकार को दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई दो नवंबर को होगी।

लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल ने वर्ष 2022 में जनहित याचिका दायर कर कोरोनाकाल में नियमों की अनदेखी कर निजी अस्पतालों को संचालन की अनुमति दिए जाने को चुनौती दी थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि कई अस्पतालों को लाइसेंस जारी करते समय नेशनल बिल्डिंग कोड, फायर सेफ्टी, बिल्डिंग कंप्लीशन सर्टिफिकेट, अग्निशामक वाहनों के लिए छह मीटर खुला क्षेत्र और पार्किंग की अनिवार्यताओं की जांच नहीं की गई। याचिका लंबित रहने के दौरान अगस्त 2022 में न्यू लाइफ अस्पताल जबलपुर में अग्निकांड हुआ, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई।

याचिका के अनुसार, अस्पताल में आपातकालीन निकास की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को बाहर निकलने में कठिनाई हुई। शासन की उच्चस्तरीय जांच समिति ने तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका को भी जिम्मेदार पाया। याचिकाकर्ता ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पूर्व सुनवाई में युगलपीठ ने अग्निकांड की जांच समिति की रिपोर्ट पुलिस को सौंपने के निर्देश दिए थे।

हरियाणा की संस्था से जुड़ाव बताकर रकम लेने के आरोप

पावर प्लांट में निवेश के नाम पर अनूपपुर से 65 लाख जमा कराने का दावा, जांच की मांग

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में पावर प्लांट के शेयरधारक बनने अथवा निवेश के नाम पर लोगों से बड़ी रकम जमा कराए जाने का मामला सामने आया है। उपलब्ध बताए जा रहे रिकॉर्ड के आधार पर अनूपपुर जिले से करीब 65 लाख रुपए जमा कराए जाने की बात कही जा रही है। मामले में संतोष सिंह की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि रकम का लेन-देन और संपर्क काफी हद तक ऑनलाइन माध्यम से हुआ।

हरियाणा की संस्था से जुड़ाव का दावा

जानकारी के अनुसार संतोष सिंह द्वारा हरियाणा की एक संस्था के साथ जुड़कर लोगों को पावर प्लांट में निवेश अथवा शेयरधारक बनने की जानकारी दी गई। इसी आधार पर संबंधित लोगों से रकम जमा कराए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, मामले में लगाए जा रहे आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

डिजिटल रिकॉर्ड से सामने आ सकती है पूरी कड़ी

बताया जा रहा है कि करीब 65 लाख रुपए के लेन-देन से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध हैं। बैंक लेन-देन, पहचान संबंधी दस्तावेज, ऑनलाइन रसीद, मोबाइल संदेश, ई-मेल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच से रकम के स्रोत और गंतव्य की जानकारी सामने आ सकती है।

पुलिस और साइबर सेल से जांच की मांग

मामले की प्रकृति को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर और साइबर सेल से तकनीकी एवं वित्तीय जांच की मांग उठ रही है। इसमें संबंधित बैंक खातों, पहचान दस्तावेजों, मोबाइल नंबरों, ई-मेल, वेबसाइट या ऑनलाइन मंच तथा डिजिटल भुगतान की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। साथ ही संबंधित लोगों के बीच हुए इलेक्ट्रॉनिक संचार की भी जांच की मांग की गई है।

महिला ने निष्पक्ष जांच व एफआईआर की मांग की

जीआरएमसी में महिला कर्मचारी ने डीन समेत तीन लोगों पर लगाए गंभीर आरोप, थाने में शिकायत

नौकरी से निकालने की धमकी, वेतन रोकने व अनुचित दबाव बनाने के आरोप

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय (जीआरएमसी) से जुड़े सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की एक महिला आउटसोर्स कर्मचारी ने डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ समेत तीन लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए कंपू थाने में लिखित शिकायत दी है। महिला ने पद के कथित दुरुपयोग, प्रताड़ित करने, नौकरी से हटाने की धमकी देने, वेतन रोकने और अनुचित दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। उसने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है।

शिकायत के अनुसार महिला नवंबर 2019 से अस्पताल में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थी। उसने आरोप लगाया कि अस्पताल अधीक्षक डॉ. गिरिजा शंकर गुप्ता से डीन का विवाद चल रहा था और इसी दौरान उस पर अधीक्षक के खिलाफ कथित रूप से झूठा प्रकरण दर्ज कराने का दबाव बनाया गया। महिला का कहना है कि ऐसा करने से इनकार करने के बाद उसकी ड्यूटी मूल कार्य से हटाकर वार्ड में लगा दी गई।

महिला ने अपनी तीन माह की बच्ची को स्तनपान कराने के लिए अनुमति मांगने का भी उल्लेख किया है। शिकायत में अप्रैल और मई 2026 का वेतन रोके जाने का आरोप लगाया गया है। उसका दावा है कि उपस्थिति रजिस्टर में उसके हस्ताक्षर के ऊपर क्रॉस का निशान लगाया गया और एजेंसी को उपस्थिति नहीं भेजे जाने से वेतन रुक गया। महिला ने प्रभारी अधीक्षक डॉ. नीलिमा टंडन और कमता प्रसाद मरैया पर भी कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप लगाए हैं। उसने बताया कि उसने सहकर्मियों को घटनाओं की जानकारी दी थी। 15 सितंबर को थाने में शिकायत दी गई। डॉ. नीलिमा टंडन ने कहा कि थाने से जानकारी आने के बाद ही वह इस मामले में जवाब देंगी। कमता प्रसाद से संपर्क नहीं हो सका, जबकि डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ से फोन और संदेश के जरिए पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रतिक्रिया नहीं मिली।

गूगल पर डॉक्टर का नंबर ढूंढ़ने पर खाते से गायब हुए 16 लाख

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

गूगल पर चर्म रोग विशेषज्ञ का मोबाइल नंबर तलाशना मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के 69 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्मचारी आशीष कुमार चक्रवर्ती को महंगा पड़ गया। सर्च के दौरान मिले मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के बाद साइबर ठगों ने उन्हें झांसे में लिया और उनके खाते से 16 लाख 40 हजार रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए। शिकायत पर विजय नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार घड़ी चौक निवासी आशीष कुमार चक्रवर्ती का खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की विजय नगर शाखा में है। पांच सितंबर को स्किन एलर्जी होने पर उन्होंने गूगल पर चर्म रोग विशेषज्ञ का नंबर तलाशा। सर्च में मिले नंबर पर संपर्क करने पर सामने वाले व्यक्ति ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक लिंक भेजा और उसमें आवश्यक जानकारी भरने को कहा। इसके बाद अपॉइंटमेंट के लिए 10 रुपए टोकन राशि जमा कराने को कहा गया। चक्रवर्ती ने 10 रुपये ऑनलाइन भेजे, लेकिन राशि जमा नहीं हो सकी। इसके बाद उन्हें बताया गया कि डॉक्टर से मिलने का समय सात सितंबर सुबह साढ़े दस बजे है। कुछ समय बाद खाते से बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। विजय नगर पुलिस साइबर ठगी में इस्तेमाल खातों और मोबाइल नंबरों की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में विनोबाभावे वार्ड निवासी सुशीला गौड़ ने जमीन बेचने के नाम पर 9 लाख 60 हजार रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत की।

मेट्रो एंकर

नामकरण समिति ने इतिहास, शिक्षा व समाजसेवा में योगदान देने वाले महापुरुषों के नाम पर नामकरण प्रस्तावों को दी मंजूरी

इंदौर में 10 प्रमुख मार्ग, चौराहों, पुलों और उद्यानों के बदले जाएंगे नाम

इंदौर। दोपहर मेट्रो

शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों, पुलों और उद्यानों के नामकरण एवं कुछ स्थानों के नाम परिवर्तन को लेकर नगर निगम की नामकरण समिति की बैठक मंगलवार को आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न स्थानों के नाम महापुरुषों और समाजसेवियों के नाम पर रखने से संबंधित प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति ने अधिकांश प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान कर दी।

प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर ने बताया कि शहर के करीब 10 प्रमुख मार्गों, चौराहों, पुलों और उद्यानों के नामकरण से जुड़े प्रस्ताव समिति के समक्ष रखे गए थे। इतिहास, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले महापुरुषों के नाम पर विभिन्न स्थानों के नामकरण को स्वीकृति दी

गई। निर्माणाधीन निरंजनपुर चौराहे के पुल का नाम सम्राट पृथ्वीराज चौहान पुल रखने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। वहीं रीगल तिराहे का नाम बदलकर अधिवक्ता तिराहा किए जाने का निर्णय लिया गया।

ब्रजवासी प्रजापति चौराहे का नाम कुंभकारेश्वर महादेव चौराहा किया जाएगा। बड़ा गणपति से हीरा नगर की गोमटगिरी मार्ग एरोड्रम का नाम भगवान महावीर अहिंसा मार्ग रखने का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ। चितावद चौराहा भविष्य में ज्योतिबा फुले चौराहा के नाम से जाना जाएगा।

गंगवाल बस स्टैंड चौराहे से चंदन नगर चौराहे तक के मार्ग का नाम डॉ. आरसी वर्मा के नाम पर करने का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया। दशहरा मैदान स्थित दरगाह चौराहे पर वीरांगना झलकारी बाई कोरी की प्रतिमा स्थापित करने तथा चौराहे का नामकरण करने का प्रस्ताव भी मंजूर हुआ। समिति से स्वीकृत प्रस्ताव अब अंतिम निर्णय और क्रियान्वयन के लिए आगामी मेयर-इन-काउंसिल की बैठक में रखे जाएंगे। बैठक में समिति सदस्य राजेश उदावत और राकेश जैन भी मौजूद रहे।

चोरी के शक में नाबालिग को लगाया करंट, नाखून उखाड़े सतना। जिले के गुप्त गोदावरी में मोबाइल चोरी के शक में नाबालिग को करंट लगाया गया। साथ ही उसके नाखून भी उखाड़े गए।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम NESHAD ANSARI है जो मेरे पासपोर्ट में है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित हो कर NESHAD SHEIKH हो गया है। जो कि मेरे सभी दस्तावेज में है। अतः अब मुझे मेरी इस सही नाम NESHAD SHEIKH से ही जाना पहचाना जाए। पता - 1495, THAKKAR GRAN ROAD, JABALPUR।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम ABHIMANYU RATHORE था जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित हो कर ABHIMANYU SINGH RATHORE हो गया है अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम ABHIMANYU SINGH RATHORE S/O CHANDRAPAL SINGH RATHORE से ही जाना व पहचाना जाए। पता - 49, MANOHAR ENCLAVE NEAR BALWANT NAGAR CITY CENTRE GIRD DISTT GWALIOR MADHYA PRADESH 474011।

सुर्खियों में बिहार का क्रिकेट वंडर बॉय; कम उम्र में करोड़ों की ब्रांड वैल्यू ने खड़े किए कई सवाल

वैभव की बल्ले के साथ कमाई भी तूफानी, एक दिन के शूट के लिए करोड़ों की फीस

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी इन दिनों मैदान से ज्यादा अपनी बढ़ती ब्रांड वैल्यू को लेकर चर्चा में हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में बड़ी संख्या में दर्शक इस युवा बल्लेबाज को मैदान पर देखने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। इसके बावजूद वैभव की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने क्रिकेट के साथ-साथ विज्ञापन बाजार में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली है।

एक दिन के शूट की फीस करोड़ों में बिहार से आने वाले वैभव को क्रिकेट की दुनिया में बेहद प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज के तौर पर देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी ब्रांड डिमांड तेजी से बढ़ी है और वह एक दिन के विज्ञापन शूट के लिए करीब 1.5 से 2 करोड़ रुपये तक फीस चार्ज कर रहे हैं। इतनी कम उम्र में किसी क्रिकेटर का इस स्तर पर कमर्शियल मार्केट में पहुंचना असाधारण माना जा रहा है। आईपीएल में अपने प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव की लोकप्रियता ने कंपनियों का ध्यान भी खींचा है। उनकी उम्र, आक्रामक बल्लेबाजी और तेजी से बढ़ती फैन फॉलोइंग उन्हें ब्रांड्स के लिए आकर्षक चेहरा बना रही है।

सचिन तेंदुलकर से होने लगी तुलना

वैभव की उम्र अभी महज 15 वर्ष है। वह उस उम्र में हैं जब कानूनी तौर पर कई महत्वपूर्ण फैसले लेने के अधिकार भी उनके पास नहीं हैं। वह अभी ड्राइविंग लाइसेंस नहीं ले सकते और मतदान की उम्र भी उनसे दूर है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें जो टाटा की एसयूवी मिली है, उसे खुद चलाने के लिए भी उन्हें अभी इंतजार करना होगा। खास बात यह है कि वैभव ने क्रिकेट को प्राथमिकता देते हुए अपनी 10वीं की बोर्ड परीक्षा तक छोड़ने का फैसला किया था। उनकी प्रतिभा और कम उम्र में मिली पहचान को देखते हुए कुछ रिपोर्ट्स में उनकी तुलना शुरुआती दौर के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी की गई है।

चमक-दमक के बीच करियर की सुरक्षा सबसे बड़ा सवाल

वैभव की बढ़ती कमाई के साथ उनके भविष्य और वित्तीय सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। नाबालिग होने के कारण वह खुद अपने नाम से व्यावसायिक समझौते करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में उनके कमर्शियल कॉन्ट्रैक्ट और वित्तीय फैसलों में अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। फिलहाल वैभव के पास कोई बड़ी पेशेवर स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एजेंसी नहीं है। उनके परिवार के सदस्य और राजस्थान रॉयल्स की टीम उनके कमर्शियल मामलों को लेकर मार्गदर्शन कर रहे हैं जानकारों का मानना है कि कंपनियां वैभव में सिर्फ आज के क्रिकेटर को नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के बड़े स्टार को देख रही हैं। उनकी कम उम्र और तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए ब्रांड्स भविष्य को ध्यान में रखकर निवेश कर रहे हैं। हालांकि, इस चमक के बीच सबसे अहम चुनौती वैभव के क्रिकेट करियर को संतुलित रखना है।

एशिया कप फाइनल: भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था अपना रुख

ट्रॉफी पहले ही ठुकराने का था फैसला, फिर दुबई क्यों पहुंचे नकवी? खड़े हुए बड़े सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 72 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। मैदान पर भारत की जीत शानदार रही, लेकिन मुकाबला खत्म होने के बाद पुरस्कार वितरण समारोह ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया। एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर मंच पर मौजूद थे, लेकिन भारतीय टीम ने उनके हाथों से ट्रॉफी स्वीकार नहीं की। इसके बाद चर्चा सिर्फ इस बात की नहीं रही कि भारत ने ट्रॉफी क्यों नहीं ली। सबसे बड़ा सवाल यह उठ खड़ा हुआ कि जब भारतीय टीम का रुख पहले से साफ था, तो नकवी पुरस्कार वितरण के लिए दुबई क्यों पहुंचे?

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के अनुसार, बोर्ड ने आपस में चर्चा के बाद पहले ही फैसला कर लिया था कि भारतीय टीम नकवी के हाथों से ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेगी। इस फैसले की जानकारी संबंधित लोगों को पहले ही दे दी गई थी। यानी दुबई में जो हुआ, वह अचानक पैदा हुआ विवाद नहीं था। भारतीय पक्ष अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर चुका था। इसके बावजूद नकवी पुरस्कार वितरण समारोह में पहुंचे। हालांकि, यह कहना उचित नहीं होगा कि वह किसी विशेष राजनीतिक रणनीति के तहत वहां पहुंचे थे, क्योंकि ऐसी किसी मंशा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय टीम के ट्रॉफी लेने से इनकार के बाद नकवी ने सार्वजनिक रूप से कोई विरोध नहीं जताया। उन्होंने श्रीलंका की टीम को उपविजेता की पुरस्कार राशि का चेक सौंपा और इसके बाद वहां से चले गए। इस तरह दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर कायम रहे। भारतीय टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी स्वीकार नहीं की, जबकि नकवी ने भी इस फैसले पर मंच से कोई विवाद खड़ा नहीं किया।

पिछले साल भी सामने आया था ऐसा ही मामला

इस पूरे घटनाक्रम को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि 2025 में पुरुष एशिया कप के फाइनल के बाद भी भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी स्वीकार नहीं की थी। यानी नकवी के लिए यह स्थिति पूरी तरह नई नहीं थी। इस बार भी भारत और नकवी के बीच ट्रॉफी को लेकर वही तस्वीर देखने को मिली। फर्क यह रहा कि महिला एशिया कप के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को हराकर खिताब अपने नाम किया और आठवीं बार एशिया कप का विजेता बना।

नकवी की दोहरी भूमिका ने बढ़ाया विवाद

मोहसिन नकवी सिर्फ एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष ही नहीं हैं। वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री भी हैं। यही वजह है कि भारतीय टीम द्वारा उनके हाथों ट्रॉफी स्वीकार नहीं करने की घटना सामान्य क्रिकेट परंपरा तक सीमित नहीं रही। भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा संबंधों को देखते हुए इस घटना के राजनीतिक अर्थ भी निकाले जा रहे हैं। हालांकि, भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इसे अपना सामूहिक फैसला बताया है।

अधिकारियों की बातचीत पर भी उठे सवाल

फाइनल के दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया और नकवी की बातचीत भी चर्चा में रही। सवाल उठे कि यदि भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला किया था, तो भारतीय अधिकारी उनसे बातचीत क्यों कर रहे थे? भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों के बीच बातचीत सामान्य पेशेवर व्यवहार का हिस्सा है। बातचीत करना और ट्रॉफी स्वीकार करना दो अलग-अलग विषय हैं। इसलिए दोनों घटनाओं को एक-दूसरे से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा।

मैदान पर भारत की जीत, समारोह में विवाद

मैच के नतीजे में भारत पूरी तरह विजेता रहा। भारतीय टीम ने श्रीलंका को 72 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। लेकिन मुकाबले के बाद पुरस्कार वितरण समारोह की तस्वीरें चर्चा का सबसे बड़ा कारण बन गईं। भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी नहीं ली और पुरस्कार वितरण से दूरी बनाए रखी। इससे महिला एशिया कप का फाइनल सिर्फ क्रिकेट मुकाबला नहीं रहा, बल्कि भारत-पाकिस्तान संबंधों के संदर्भ में भी चर्चा का विषय बन गया। पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि भारतीय टीम का फैसला पहले से तय था और इसकी जानकारी पहले ही संबंधित पक्षों को दी गई थी। इसके बावजूद नकवी पुरस्कार वितरण के लिए पहुंचे। उन्होंने भारतीय टीम के फैसले पर कोई सार्वजनिक आपत्ति नहीं जताई और श्रीलंका को उपविजेता का पुरस्कार देकर वहां से चले गए। ऐसे में यह सवाल जरूर बना हुआ है कि जब भारतीय पक्ष का रुख पहले से स्पष्ट था, तो पुरस्कार वितरण की व्यवस्था को उसी के अनुरूप क्यों नहीं बदला गया।

सैंडपेपर विवाद की परछाईं में ऑस्ट्रेलिया का दक्षिण अफ्रीका दौरा,

कमिंस बोले- माहौल में दिख सकता है पुराना गुस्सा, 'हमारा पूरा फोकस सिर्फ क्रिकेट पर'

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच क्रिकेट मुकाबले हमेशा से प्रतिस्पर्धा और रोमांच से भरे रहे हैं। लेकिन इस बार दोनों टीमों की भिड़ंत में 2018 के कुख्यात सैंडपेपर गेट की यादें भी लौट सकती हैं। ऑस्ट्रेलिया का दक्षिण अफ्रीका दौरा 24 सितंबर से शुरू होने जा रहा है, जिसमें तीन वनडे और तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। बॉल टैंपरिंग विवाद के बाद यह पहली बार होगा, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने माना है कि टेस्ट सीरीज के दौरान कुछ दर्शकों की ओर से पुरानी घटना को लेकर नाराजगी देखने को मिल सकती है। हालांकि, उनका कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस तरह के माहौल से निपटने के लिए तैयार है और खिलाड़ियों का ध्यान मैदान पर प्रदर्शन करने पर रहेगा। 'कीपिन इट क्रिकेट' पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान कमिंस ने कहा कि टेस्ट मैचों में थोड़ी गर्मागर्मी देखने को मिल सकती है। उन्होंने इसकी तुलना एशेज के दौरान इंग्लैंड में मिलने वाले माहौल से की। कमिंस के मुताबिक, दर्शकों की तरफ से कुछ शोर और टिप्पणियां जरूर हो सकती हैं, लेकिन यह ऐसा अनुभव नहीं होगा जिसका सामना ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने पहले नहीं किया है। दक्षिण अफ्रीका में खेलने के अपने अनुभव को याद करते हुए कमिंस ने कहा कि स्टेडियम में दर्शकों के कुछ हिस्से पुरानी घटनाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बतौर कप्तान उनका पूरा ध्यान मुकाबले पर रहेगा।

'हमारा ग्रुप आगे बढ़ चुका है'

कमिंस ने कहा कि समय के साथ यह विवाद काफी पीछे छूट चुका है और टीम अब पुराने मामले के बजाय मौजूदा क्रिकेट पर ध्यान देना चाहती है। उन्होंने माना कि मीडिया में कुछ खबरें या दर्शकों की तरफ से तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ सकती हैं, लेकिन टीम मानसिक रूप से इसके लिए तैयार है। उनका मानना है कि तीन टेस्ट मैचों की लंबी सीरीज के दौरान खिलाड़ियों का ध्यान तेजी से क्रिकेट पर केंद्रित हो जाएगा। ऐसे में पुरानी घटनाओं की चर्चा कुछ समय बाद अपने आप पीछे छूट सकती है।

2018 में हिल गया था ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट

साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान केपटाउन टेस्ट में बॉल टैंपरिंग की घटना ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को हिलाकर रख दिया था। कैमरन बैनक्रॉफ्ट को गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। इसके बाद तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर पर एक-एक साल का प्रतिबंध लगाया गया, जबकि बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए निलंबित किया गया था। इस घटना ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की छवि और टीम संस्कृति को लेकर भी बड़े सवाल खड़े किए थे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बीच पर तापसी का बोल्ड अंदाज, पति संग डेट नाइट-गर्ल गैंग के साथ मस्ती ने लूटी महफिल

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों फिल्मों की भागदौड़ से दूर छुट्टियों का भरपूर आनंद ले रही हैं। तापसी अपने पति और करीबी सहेलियों के साथ किसी खूबसूरत समुद्री जगह पर क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। अभिनेत्री ने अपने वेकेशन की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिनमें उनका बेफिक्र और ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है।

तापसी की नई तस्वीरों में उनका समुद्र किनारे का अंदाज सबसे ज्यादा चर्चा में है। काले रंग की मोनोकिनी में अभिनेत्री बेहद आत्मविश्वास के साथ तस्वीरों के लिए पोज देती नजर आईं। एक तस्वीर में वह रेत पर बैठकर कैमरे की ओर देख रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में टोपी और चश्मे के साथ उनका अंदाज काफी कूल दिखाई दे रहा है। तापसी ने अपने इस वेकेशन में फैशन और मस्ती का शानदार मेल दिखाया है।

छुट्टियों के दौरान तापसी ने अपने पति के साथ रोमांटिक पल भी बिताए। दोनों ने साथ में डेट नाइट का आनंद लिया और तस्वीरों में उनकी बॉन्डिंग साफ नजर आई। वहीं, अपनी गर्ल गैंग के साथ अभिनेत्री का अलग ही अंदाज देखने को मिला। दोस्तों के साथ उनकी तस्वीरें बताती हैं कि इस यात्रा में वह पूरी तरह काम से ब्रेक लेकर मौज-मस्ती के मूड में हैं।

सड़क किनारे झूमती दिखीं तापसी

तापसी के वेकेशन एल्बम में सिर्फ समुद्र और ग्लैमरस तस्वीरें ही नहीं हैं। एक तस्वीर में वह सड़क किनारे मस्ती में झूमती हुई नजर आ रही हैं। उनका यह बेफिक्र अंदाज प्रशंसकों को खूब पसंद आया। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों पर प्रशंसकों ने जमकर प्यार लुटाया और अभिनेत्री के आत्मविश्वास तथा अंदाज की तारीफ की। काम की बात करें तो तापसी पन्नू की पिछली फिल्म 'गांधारी' रही है। फिल्म को समीक्षकों की ओर से बहुत खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, हालांकि तापसी के अभिनय की तारीफ जरूर हुई। लगातार फिल्मों में व्यस्त रहने के बाद अब अभिनेत्री छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। उनकी ताजा तस्वीरें भी यही दिखा रही हैं कि वह काम से ब्रेक लेकर अपने करीबी लोगों के साथ हर पल को खुलकर जी रही हैं।

बिग बॉस 20 में चिकन को लेकर भिड़ीं आम्रपाली दुबे और माही विज, एक-दूसरे से कहा-शट अप

मुंबई । बिग बॉस 20 के घर में कंटेस्टेंट्स के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर होने वाली नोकझोंक अब धीरे-धीरे बड़े झगड़ों का रूप लेती नजर आ रही है। घर में किचन की जिम्मेदारी से लेकर खाने के मेन्यू तक कई बार कंटेस्टेंट्स के बीच मतभेद देखने को मिलते हैं। अब आने वाले एपिसोड में आम्रपाली दुबे और माही विज के बीच चिकन बनाने को लेकर बहस देखने को मिलेगी। दोनों के बीच बात इतनी बढ़ जाती है कि आखिर में वह एक-दूसरे को शट अप कहती नजर आएंगी। शो का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें दोनों के बीच हुई तीखी बहस देखने को मिलती है।

कलर्स चैनल ने इंस्टाग्राम पर बिग बॉस 20 का नया प्रोमो शेयर किया है। प्रोमो के साथ कैप्शन में लिखा गया, माही विज और आम्रपाली दुबे की नोकझोंक ने लिया सीरियस टर्न। वीडियो में शुरुआत किचन से होती है, जहां माही कुकिंग टीम से चिकन को लेकर सवाल करती हैं। इस टीम में आम्रपाली दुबे भी शामिल हैं। माही चिकन की सब्जी में आलू डालने को लेकर सवाल करती हैं, जिसके बाद आम्रपाली उन्हें जवाब देती नजर आती हैं। वह माही से कहती हैं कि कुकिंग टीम को अपना काम करने दिया जाए।

आम्रपाली कहती हैं, जो लोग कुकिंग टीम का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें किचन से बाहर चले जाना चाहिए। आम्रपाली की यह बात माही को पसंद नहीं आती और उनका गुस्सा बढ़ जाता है। इसके बाद माही गुस्से में किचन से बाहर निकल जाती हैं और आम्रपाली से कहती हैं, तुम मेरे लिए कुछ नहीं हो। माही की इस बात पर आम्रपाली भी चुप नहीं रहतीं। वह जवाब देते हुए कहती हैं, यहां आकर बात मत करो, इसके बाद दोनों के बीच बहस और तेज हो जाती है।

मेट्रो बाजार

भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में 26% बढ़ा, व्यापार घाटे में आई कमी

नई दिल्ली । भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया है। यह निर्यात में देश का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। यह इस बात की भी पुष्टि करता है कि देश का निर्यात क्षेत्र लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को दी गई। इस दौरान देश के व्यापार घाटे में भी कमी देखने को मिली है, जो कि अगस्त में 26.86 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 27.22 अरब डॉलर पर था। इस साल जुलाई में व्यापार घाटा 32 अरब डॉलर था। अगस्त में वस्तु आयात सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 72.67 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि इस साल जुलाई में 76.22 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर अगस्त में निर्यात में भी कमी दर्ज की गई है, जो कि जुलाई में 44.24 अरब डॉलर पर था।

वाणिज्य मंत्रालय में सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा, ÷निर्यात में बढ़ोतरी इंजीनियरिंग के सामान, पेट्रोलियम उत्पादों, केमिकल और टेक्सटाइल की वजह से हुई और इनकी सबसे ज्यादा मांग अमेरिका, ईयू और ब्रिक्स देशों से थी। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अगस्त में सोने का आयात गिरकर 2.3 अरब डॉलर रह गया, जो अगस्त 2025 के 5.4 अरब डॉलर के आंकड़े से आधे से भी कम था। आरबीआई के इस महीने की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) 4.2 अरब डॉलर रहा। पश्चिमी एशिया संकट के कारण ग्लोबल मार्केट में तेल, एलपीजी और फर्टिलाइजर की कीमतें बढ़ने के बावजूद यह जीडीपी का 0.5 प्रतिशत बना रहा।

चिप की दुनिया में भारत की बड़ी छलांग, 1.64 लाख करोड़ के निवेश से तैयार हो रहा सेमीकंडक्टर हब

नई दिल्ली। भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की रणनीति अब केवल चिप निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजाइनिंग, पैकेजिंग, टेस्टिंग, मशीनरी, कच्चे माल, सप्लाई चेन और कुशल प्रतिभाओं को जोड़कर एक संपूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करने पर केंद्रित है। सरकार की ओर से जारी फैक्टशीट के मुताबिक, इस दिशा में अब तक कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा चुके हैं। 17 सितंबर से नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया 2026 कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'सिलिकॉन से सिस्टम तक- पूरा इकोसिस्टम बनाना' रखी गई है। इसमें प्रमुख वैश्विक चिप कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ नीति-निर्माता और निवेशक भी हिस्सा लेंगे।

भारत ने वर्ष 2021 में सेमीकंडक्टर मिशन की शुरुआत की थी। इसके पहले चरण यानी सेमीकॉन 1.0 के लिए सरकार ने 76 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। इसमें चिप डिजाइन और निर्माण के साथ पैकेजिंग, टेस्टिंग, मशीनरी, कच्चे माल और प्रशिक्षित मानव संसाधन को भी शामिल किया गया। इसके बाद जुलाई 2026 में सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी गई, जिसके तहत 1.27 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका फोकस छह प्रमुख क्षेत्रों पर है-चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर निर्माण की मशीनरी और सामग्री, फैब्रिकेशन प्लांट, एडवांस पैकेजिंग, रिसर्च एवं डेवलपमेंट और कुशल प्रतिभाओं का विकास। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। इनमें 1.64 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश की प्रतिबद्धता है। परियोजनाओं में सिलिकॉन और कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले निर्माण तथा आधुनिक पैकेजिंग सुविधाएं शामिल हैं।

जादवपुर को जेएनयू बनने से रोकने के लिए शुभेंदु ने कमर कसी

जादवपुर में टकराया लाल और भगवा बंगाल की बदलती राजनीति की नई दिशा ...!

बंगाल की बदलती राजनीतिक तस्वीर को सिर्फ चुनावी नतीजों से समझना मुश्किल है। इसके लिए उन जगहों को भी देखना होगा, जो राजनीति विचार और पहचान का हिस्सा रही है। कोलकाता का जादवपुर विश्वविद्यालय ऐसी ही एक जगह है। बारह साल पहले केंद्र में एनडीए की सरकार नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बनने के बाद जेएनयू में जिस तरह का बखेड़ा हुआ उसकी बुनियाद कोलकाता की सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी में पड़ चुकी है । जेएनयू परिसर में देश विरोधी ताकतों पर काबू कर लिया गया लेकिन बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी के सामने जादवपुर यूनिवर्सिटी जेएनयू जैसी चुनौती बनने लगी है ।

कोलकाता से राजेश सिरोठिया की ग्राउंड रिपोर्ट

कोलकाता में घूमते हुए एहसास हुआ कि राष्ट्रवाद के विजय रथ पर सवार बीजेपी के सत्ता में आने और ममता बनर्जी के हाशिये पर जाते ही वामपंथी नए सिरे से अपनी खोई ताक़त को क़ायम करने की जुगत में भिड़ गए हैं। इसका मुक़ाम लंबे समय से वामपंथी और अतिवामपंथी छात्र राजनीति के मजबूत गढ़ जादवपुर यूनिवर्सिटी बनता जा रहा है । स्वतंत्र सोच, बहस, असहमति और प्रतिरोध यहां की पहचान रहे हैं। विश्वविद्यालय के आसपास पूर्वी बंगाल से आए शरणार्थियों की बड़ी बस्तियों ने भी इस इलाके में

विरोध और प्रतिरोध की एक अलग राजनीतिक चेतना को मजबूत किया। इसी जादवपुर में अगस्त की एक शाम लाल और भगवा आमने-सामने थे। एसएफआई और आरएसएस समर्थित छात्र संगठन एबीवीपी के बीच विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब रात में कुछ बाहरी लोगों के विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश की कोशिश के बाद कहासुनी बढ़ गई और स्थिति हिंसक हो गई। इस घटनाक्रम ने तेजी से राजनीतिक रंग ले लिया।

अब बीजेपी का भगवा वामपंथ के लाल झंडे को झुकाने पर आमादा है । जादवपुर के इन ताजा अप्रिय प्रसंगों से नाराज शुभेंदु अधिकारी विधानसभा में मुखर हुए। उन्होंने ऐलान किया कि वह जादवपुर विश्वविद्यालय जाएंगे और वहां गीता तथा हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। उनका सवाल था कि वहां वंदे मातरम् क्यों नहीं गाया जाता। उन्होंने कहा- 'मैं हिंदू हूं, मैं राष्ट्रवादी हूं।' यह बयान सिर्फ तत्काल विवाद पर प्रतिक्रिया नहीं था। यह शुभेंदु अधिकारी की उस बदलती राजनीतिक भाषा का हिस्सा भी है, जिसमें सनातन, हिंदू पहचान और राष्ट्रवाद अब पहले से कहीं अधिक प्रमुख दिखाई देते हैं।

शुभेंदु अब स्वयं को लगातार 'सनातनी' के रूप में पेश करते हैं। भगवा परिधान भी उनकी सार्वजनिक राजनीतिक पहचान का हिस्सा बनता जा रहा है। लेकिन जादवपुर जैसी जगह पर इस राजनीति की स्वीकार्यता सहज नहीं है। क्योंकि जादवपुर का इतिहास ही स्थापित सत्ता और विचारधाराओं से सवाल करने का रहा है। यही वजह है कि जादवपुर में हुआ टकराव केवल लाल बनाम भगवा की कहानी नहीं है। यह बंगाल की पुरानी बौद्धिक और वामपंथी राजनीतिक चेतना तथा तेजी से उभर रही राष्ट्रवादी-सनातनी राजनीति के बीच बढ़ते संघर्ष का संकेत है। बंगाल में भाजपा ने चुनावी राजनीति में अपनी जमीन जरूर मजबूत की है, लेकिन सांस्कृतिक और बौद्धिक जमीन पर मुकाबला कहीं ज्यादा जटिल है। बंगाल की अपनी धार्मिक परंपरा है, लेकिन उतनी ही मजबूत सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत भी है। दुर्गापूजा, कालीपूजा, रामकृष्ण परमहंस, विवेकानंद और सुभाषचंद्र बोस की भूमि को केवल एक राजनीतिक पहचान में समेटना आसान नहीं।

बंगाल की राजनीति के लिए यह एक महत्वपूर्ण संकेतक

शायद इसीलिए जादवपुर आज बंगाल की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक बन गया है। सवाल यह नहीं कि भगवा बंगाल में पहुंचा है या नहीं। सवाल यह है कि क्या बंगाल की अपनी सामाजिक-बौद्धिक चेतना के साथ राष्ट्रवाद और सनातन की यह नई राजनीतिक भाषा कोई स्थायी संवाद बना पाएगी? बहरहाल जादवपुर विश्वविद्यालय में हालिया छात्र संघर्ष के बाद बिगड़ते हालात के बीच सीएम शुभेंदु ज्यादा सतर्क हैं । इसीके चलते विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में छात्रों की आवाजाही और जमावड़े पर अभूतपूर्व पाबंदियां लगा दी हैं। कार्यवाहक रजिस्ट्रार की अधिसूचना के मुताबिक अब रात 8 बजे के बाद किसी भी छात्र को विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

अधिसूचना के मुताबिक परिसर के भीतर किसी भी तरह जमावड़े पर रोक रहेगी । इसकी अनदेखी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। यह साफ़ संकेत है कि विश्वविद्यालय अब परिसर में राजनीतिक गतिविधियों और छात्र समूहों के बीच टकराव को लेकर कितनी गंभीर स्थिति में पहुंच चुका है। यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि क्या यह केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का अस्थायी उपाय है या जादवपुर की छात्र राजनीति के एक नए दौर की शुरुआत? अब सवाल सिर्फ यह नहीं है कि विश्वविद्यालय में कौन-सी विचारधारा मजबूत होगी। सवाल यह भी है कि क्या बंगाल की सबसे मुखर छात्र राजनीति अब प्रशासनिक प्रतिबंधों के बीच अपना रास्ता तलाशेगी? आने वाले दिनों में इसका जवाब केवल विधानसभा या लोकसभा चुनावों में नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों, पूजा पंडालों और बंगाल की सड़कों पर भी दिखाई देगा।

(साथ में अजय विश्वास) .....जारी

बागेश्वर के मंच से उठा सनातन का सवाल और बवाल

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री पहली बार पश्चिम बंगाल पहुंचे तो धार्मिक कथा का मंच भी राजनीतिक और सांस्कृतिक विमर्श का केंद्र बन गया। उन्होंने शुभेंदु अधिकारी के सामने 3 प्रमुख मांगें रखीं- गंगासागर मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा दें, गोमाता को 'राजमाता' का दर्जा मिले और काली पूजा के दौरान गलियों-मोहल्लों में होने वाले छोटे-छोटे विवाद और दंगे बंद हों। बंगाल में अब 'हर-हर गंगे' होना चाहिए। कथा के दौरान शुभेंदु अधिकारी ने बाबा से बंगाल में बागेश्वर धाम का केंद्र स्थापित करने का आग्रह किया। कहा-उनकी सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू करने आयोग बनाया है। बंगाल को संतों व आध्यात्मिक जागृति की भूमि बताते हुए राज्य की सांस्कृतिक गरिमा बहाल करने की बात भी कही। शास्त्री ने भी सरकार को 'सनातनी सरकार' बताया। पूर्व सीएम ममता बनर्जी को कथा में आने का निमंत्रण देते हुए कहा -'कथा सबकी है, राम सबके हैं, कृष्ण सबके हैं, काली सबकी हैं।' लेकिन ममता सरकार के रहते उन्हें बंगाल आने की अनुमति तक नहीं मिली। शास्त्री ने कहा तब मेरे मुख से अचानक यह निकल गया था कि दीदी ने नहीं आने दिया तो दादा (शुभेंदु) बुलाएंगे और सच भी हो गया।

शास्त्री के बयान से उनकी यात्रा के दौरान रंग में भंग भी पड़ा। उनके कथित बयान से बवाल मचा कि नॉनवेज खाने के बाद दुर्गा पंडाल में प्रवेश करने वाले पाखंडी हैं। विवाद बढ़ते ही सीएम से लेकर बीजेपी ने भी उनके बयान से किनारा किया। कांग्रेस व वाम दलों ने विरोध किया, जबकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने भी असहमति जताई। बाद में शास्त्री ने सोशल मीडिया पर सफाई दी कि उनकी बात का गलत अर्थ निकाला गया। उनका उद्देश्य सिर्फ पूजा पंडाल की पवित्रता बनाए रखने की अपील करना था। जादवपुर व बागेश्वर बाबा, दो अलग घटनाएं हैं, लेकिन दोनों के बीच साझा संकेत दिखता कि बंगाल में सनातन और राष्ट्रवाद अब सिर्फ चुनावी भाषणों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक बहस का भी नया केंद्र बन रहा है।

न्यूज विंडो

हिट एंड रनः सिया का भाई बोला- पहले थम्स-अप, फिर गंदे इशारे'

दक्षिणी दिल्ली. एजेंसी। गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स रोड पर रविवार को हुई रोड रेज की घटना को लेकर पीड़ित बाइकर शिवानी चौहान के भाई दीपांकर बताते हैं कि सुबह लगभग 7.30 बजे घटना हुई। 8 बजे तक जब दीदी को थोड़ा आराम हुआ तो मेरे पास फोन किया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राइडिंग गियर होने के बावजूद उनके घुटने में सूजन है। पीठ और गर्दन की मसल्स में खिंचाव है। बायें हाथ और दोनों हथेलियों में खरोंच है। घटना को लेकर शिवानी कहती हैं कि कार सवार सभी आरोपितों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। गुरुग्राम में लड़कियों की सुरक्षा बिल्कुल भी नहीं है। वहीं पिता रोशन चौहान बताते हैं कि इतना सब होने के बाद भी बेटी बिल्कुल भी नहीं डरी, न उसे डरने की जरूरत है। जिन लोगों ने गलत किया, डर उन्हें लगना चाहिए।

सुरक्षा कारणों के चलते सीएम विजय का लंदन का कार्यक्रम रद्द

नई दिल्ली. एजेंसी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की ओर से भीड़ की सुरक्षा को लेकर चिंता जताए जाने के बाद, लंदन की मशहूर इमारत 'शार्ड' के बाहर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय का सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिया गया।

इस जगह पर सैकड़ों प्रशंसक जमा हुए थे। कई लोग अभिनेता से राजनेता बने विजय को देखने के लिए घंटों से इंतजार कर रहे थे। विजय की टीम ने लाउडस्पीकर पर इवेंट रद्द होने की घोषणा की। इसके साथ ही बताया कि सुरक्षा कारणों से पुलिस की मंजूरी नहीं मिल पाई थी।

मुख्यमंत्री की टीम के एक सदस्य ने कहा, 'जन सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण, हम कार्यक्रम रद्द कर रहे हैं, क्योंकि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते हमें अनुमति नहीं मिली है।'

श्रीनगरः वायुसेना के युद्धाभ्यास से पाक घबराया, गश्त तेज

श्रीनगर.एजेंसी। भारतीय वायुसेना के 21 सितंबर से सात अक्तूबर तक प्रस्तावित बड़े युद्धाभ्यास की तैयारी से पाकिस्तान की धड़कन बढ़ गई है। पश्चिमी सीमा पर प्रस्तावित अभ्यास के बीच पाकिस्तानी सेना और वायुसेना ने एलओसी से अंतरराष्ट्रीय सीमा तक गतिविधि तेज कर दी हैं। लड़ाकू विमानों की गश्त बढ़ाने के साथ अतिरिक्त सैनिकों को अग्रिम इलाकों में भेजा है। सुरक्षा एजेंसियों को मिले इनपुट के अनुसार, पाकिस्तान ने एलओसी के करीब आतंकी ढांचे को भी सक्रिय करना शुरू कर दिया है। पुराने आतंकी मॉड्यूल से जुड़े लोगों को अग्रिम चौकियों के आसपास तैनात किया जा रहा है। पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई की निगरानी में एलओसी के इलाकों में आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। हाल के दिनों में लीपा घाटी और पुंछ के सामने स्थित नीलम घाटी में संदिग्ध गतिविधियां बढ़ी हैं।

उत्तरप्रदेश में वोट प्रतिशत में बदलाव का खेल

कहीं वोटरों का मूड को बरकरार रखने तो कहीं बदलने की जंग

नई दिल्ली/लखनऊ. एजेंसी

उत्तर प्रदेश में एनडीए 2024 के लोकसभा चुनाव में बने वोटरों के उस मूड को पूरी तरह बदलना चाहता है जिसने उसे पीछे कर दिया था। तो वहीं इन नतीजों से उत्साहित गठबंधन की कोशिश अगले साल होन वाले विधानसभा चुनाव में बरकरार रखते हुए और आगे निकलने की कोशिश में है। राज्य में यह दोनों गठबंधन अपनी-अपनी राजनीतिक कमेस्ट्री दुरुस्त करने में लगे हैं। 2024 के नतीजे इस बात का संकेत नहीं करते कि अब आने वाले विधानसभा चुनाव में किसे पूर्ण बहुमत मिलेगा। भले ही इंडिया गठबंधन उम्मीदें पाले हो।

यूपी में 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों को अगर विधानसभा सेगमेंट के हिसाब से देखा जाए तो उस वक्त सपा 403 में 184 पर, कांग्रेस 39 पर व एनडीए 174 पर आगे था। इस आधार पर किसी को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है। भाजपा के लिए चुनौती है कि पिछले चुनाव के नुकसान की भरपाई 2017 या 2022 जैसे नतीजे लाकर कर दे।

सपा कांग्रेस गठबंधन भले ही 43 सीट जीत कर सबसे आगे हो गया लेकिन वोट प्रतिशत में वह भाजपा गठबंधन से पीछे रहा। हालांकि यह अंतर मामूली है। पर इससे सीट की जीत हार में अहम भूमिका हो जाती है। ज्यादा वोट प्रतिशत हासिल करने के बाद भी सीट उस हिसाब से नहीं आ पाती। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी पार्टी का जनसमर्थन सभी विधानसभा क्षेत्रों या अधिकांश में प्रभावी व मुखर हो तो सरकार बनने की प्रबल संभावना रहती है।

ऐसे बदलता है वोटरों का मूड

जब 2004 के लोकसभा चुनाव में सपा को सबसे ज्यादा 35 सीटें 26.74 प्रतिशत व बसपा को 9 सीटें व 12.04 प्रतिशत वोट मिला लेकिन 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली। यानी नतीजे पलट गए। 2009 के आम चुनाव में सपा सबसे ज्यादा 23 सीट व बसपा सबसे ज्यादा 27.42 प्रतिशत वोट पाई। 2012 में वोटरों ने विधानसभा चुनाव में सपा को पूर्ण बहुमत दे दिया।

2014 में भाजपा 71 सीटें और 42.13 प्रतिशत वोट पाकर सबसे आगे निकल गई। भाजपा को यूपी में मिला बहुमत 2017 के विधानसभा चुनाव में बरकरार रहा। यह रुझान 2019 के लोकसभा व 2022 के विधानसभा में भाजपा के लिए दिखा। खास बात यह कि 2012 में पूर्ण बहुमत पाकर सरकार बनाने वाले सपा की दो साल बाद लोकसभा चुनाव में केवल पांच सीटें देकर जनता ने बड़े बदलाव का संकेत दे दिया था।

यूपी में कांग्रेस का ग्रेडिंग सिस्टम, काम की माह में एक बार केंद्रीय नेतृत्व समीक्षा करेगी।उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को सक्रिय बनाए रखने के लिए आलाकमान ने सख्त ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया है। इसके अलावा प्रतिभा खोज से आए नेताओं की अलग से एक सूची बनाई है, जो कि निष्क्रिय जिला अध्यक्षों का स्थान लेंगे। इतना ही नहीं संगठन को मजबूत करने के लिए राहुल और प्रियंका स्वयं सचिवों का साक्षात्कार कर रहे हैं।

जिला अध्यक्षों को काम के आधार पर मिलेगा ए, बी और सी ग्रेड

इसमें अब तक 39 सचिवों का इंटरव्यू हो चुका है। एआईसीसी के संगठन सृजन अभियान के अंतिम चरण में जिला, मंडल और ब्लॉक अध्यक्षों को एबी और सी वर्ग में बांटा जाएगा। सी कैटेगरी में आने वाले यानी निष्क्रिय अध्यक्षों को नोटिस देकर हटाया जाएगा। इसी मॉडल पर उत्तरप्रदेश में में जिला अध्यक्षों की नई सूची जारी होने वाली है। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी ने द्वितीय श्रेणी के नेताओं की पंक्ति निर्माण कर लिया है। इसके तहत प्रतिभा खोज से आए युवा चेहरों को सी ग्रेड वाले अध्यक्षों की जगह मौका दिया जाएगा, ताकि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले संगठन जमीन पर सक्रिय दिखे। इसका फायदा चुनाव में हो सकता है।

नंदीग्राम में शुभेंदु का मास्टरस्ट्रोक

चंद्रनाथ की मां को मैदान में उतारकर भाजपा ने बदला चुनावी नैरेटिव

अजय विश्वास. कोलकाता

नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी ने ऐसा राजनीतिक दांव चला है, जिसने उपचुनाव के पूरे नैरेटिव को अचानक बदल दिया है। भाजपा ने उनके दिवंगत निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की मां हसी रानी रथ को उम्मीदवार बनाकर चुनाव को सीधे भावनाओं, स्मृति और राजनीतिक निष्ठा से जोड़ दिया है।

चंद्रनाथ रथ की 6 मई को अज्ञात बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वे शुभेंदु के बेहद करीबी सहयोगी थे और उनकी चुनावी रणनीति तथा जमीनी नेटवर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। ऐसे में चंद्रनाथ की मां को उम्मीदवार बनाना महज टिकट वितरण नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति दिखाई देती है। शुभेंदु जानते हैं कि नंदीग्राम उनके लिए केवल एक विधानसभा सीट नहीं है। यही वह जमीन है जिसने उन्हें ममता बनर्जी के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया। 2026 में उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों पर जीत दर्ज की और भवानीपुर अपने पास रखते हुए नंदीग्राम छोड़ दिया। अब सवाल सिर्फ भाजपा की जीत का नहीं, बल्कि यह साबित करने का है कि शुभेंदु के मैदान से हटने के बाद भी नंदीग्राम उनके राजनीतिक प्रभाव से बाहर नहीं गया है।

हसी रानी रथ की उम्मीदवारी इसी संदेश को मजबूत करती है।

भाजपा चंद्रनाथ की हत्या को चुनावी विमर्श में लाकर सहानुभूति को राजनीतिक समर्थन में बदलने की कोशिश करेगी। साथ ही यह संदेश भी जाएगा कि शुभेंदु अपने करीबी सहयोगी के परिवार को अकेला नहीं छोड़ते। दूसरी ओर, टीएमसी के कालीघाट गुट ने संचिता प्रधान डे को उम्मीदवार बनाया है। उनका प्राथमिक शिक्षिका होना और टीईटी भर्ती विवाद से जुड़ा अतीत टीएमसी के लिए एक अलग राजनीतिक कहानी बनाता है।

यानी नंदीग्राम में इस बार मुकाबला केवल दो उम्मीदवारों के बीच नहीं है। एक तरफ शुभेंदु की विरासत, चंद्रनाथ की स्मृति और भावनात्मक राजनीति है, तो दूसरी तरफ ममता बनर्जी की पार्टी का संगठनात्मक प्रभाव और स्थानीय चेहरा। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या शुभेंदु का यह मास्टरस्ट्रोक नंदीग्राम को एक बार फिर ममता विरोधी राजनीति का स्थायी किला बना देगा, या टीएमसी इस भावनात्मक नैरेटिव को तोड़कर नंदीग्राम में वापसी का रास्ता बनाएगी?

मेट्रो एंकर

रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा, एजेंसियों के लिए बढ़ी चुनौती

जम्मू-कश्मीर सीमा पर 1 साल में 9 बार घुसे ड्रोन, 237 मार गिराए

जम्मू। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी की कोशिशें सुरक्षा एजेंसियों के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025-26 के दौरान जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन घुसपैठ की नौ घटनाएं दर्ज की गईं। इस अवधि में देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कुल 863 ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं सामने आईं, जिनमें से 854 घटनाएं पंजाब और राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में हुईं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रोन खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा बलों ने स्पूफर और जैमर जैसी इलेक्ट्रानिक तकनीकों का प्रभावी इस्तेमाल किया। इस दौरान विभिन्न सेक्टरों में सुरक्षाबल ने 237 ड्रोन मार गिराए।

इनमें से पांच ड्रोन में युद्ध जैसी सामग्री, 72 में मादक पदार्थ, जबकि 161 ड्रोन बिना किसी पेलोड के पाए गए। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में

बताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास सुरक्षाबल ने इस अवधि में दो एके-47 राइफल, 75 पिस्तौल और 281.41 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि इनकी आपूर्ति संभवतः ड्रोन की मदद से की गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, विरोधी पक्ष द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास ड्रोन के इस्तेमाल के प्रयास बढ़ रहे हैं। निगरानी के साथ हथियार, गोला-बारूद और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भी ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

पंजाब सीमा पर बनी चुनौती

विशेष रूप से पंजाब के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में ड्रोन आधारित गतिविधियों को गंभीर चुनौती के रूप में रेखांकित किया है। स्पूफर और जैमर के प्रभावी इस्तेमाल से ड्रोन खतरे का काफी हद तक मुकाबला किया गया है। ड्रोन को रास्ते से भटकाने, उसके संचार तंत्र को बाधित करने, सीमा सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524